Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 165 | बुधवार, 24 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन का मंत्रिपरिषद से इस्तीफा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तत्काल प्रभाव से किया मंजूर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल (मोदी 3.0) की कैबिनेट में जॉर्ज कुरियन का सफर समाप्त हो गया है। उन्हें केंद्र सरकार में शामिल हुए अभी एक साल से भी कम का समय हुआ था।

65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन मोदी कैबिनेट में शामिल होने के बाद अगस्त 2024 से अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री के रूप में काम कर रहे थे। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता के तौर पर, वह 1980 में पार्टी के गठन के समय से ही इससे जुड़े रहे हैं और इन वर्षों में उन्होंने कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाली हैं।

उनका इस्तीफा राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आया है, जिससे संसद के लिए फिर से चुने या नामांकित हुए बिना मंत्री पद पर बने रहना उनके लिए मुश्किल हो गया था। जॉर्ज कुरियन सिरो-मालाबार कैथोलिक चर्च के सदस्य हैं, जो केरल के सबसे बड़े ईसाई समुदायों में से एक है।

वह 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से ही बीजेपी से जुड़े रहे हैं और इन वर्षों में उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है, जिनमें राज्य महासचिव, भारतीय युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल हैं। 2016 के केरल विधानसभा चुनावों में, कुरियन ने पुथुपल्ली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमन चांडी से हार गए थे। इससे पहले, उन्होंने वरिष्ठ बीजेपी नेता ओ. राजगोपाल के 'ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी' (OSD) के रूप में भी काम किया था, जब राजगोपाल ने 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया था।

राष्ट्रपति ने इस्तीफा स्वीकार किया

राष्ट्रपति भवन ने एक आधिकारिक बयान में घोषणा की कि राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर कुरियन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। बयान में कहा गया, 'भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर, संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत, जॉर्ज कुरियन का केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।'

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- 'अभी और भी झटके लगेंगे'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य 'जोर का झटका' लगने की वजह से अपना 'मानसिक संतुलन' खो बैठे हैं और उन्हें 'और भी झटके' लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है।

विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है। उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, 'सवालों के जवाब देने और 'ध्यानाकर्षण प्रस्तावों' के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।' उन्होंने कहा, 'मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री भी खुद आकर जवाब देते हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।' शिवसेना नेता ने विरोध कर रहे सदस्यों पर तंज कसते हुए कहा, 'जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।' विपक्षी खेमे की खाली कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है।

शादी के लिए 17 करोड़ का पैलेस, 2 प्राइवेट जेट: फिर मंगेतर ने उसे क्यों पहाड़ से नीचे धकेल दिया?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पुणे। केतन विशाल अग्रवाल की मौत मामले में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। कथित तौर पर मंगेतर और उसके प्रेमी ने इसकी योजना बनाई और इसे अंजाम दिया।

पुणे के पास लोहागढ़ किले में तस्वीरें लेते समय गिरने से महाराष्ट्र के एक जाने-माने बिजनेसमैन के बेटे केतन अग्रवाल की मौत का मामला अब एक गंभीर मोड़ पर आ गया है। पुलिस का कहना है कि कथित तौर पर उसकी मंगेतर और उसके प्रेमी में उसे घाटी में धकेल दिया था।

पुलिस ने इस घटना को परेशान करने वाला बताया है। इसने दोनों परिवारों और जांचकताओं को चौंका दिया है। मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि सवाल यह है कि कोई इतना बेरहम कैसे हो सकता है। केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ गुरुवार, 18 जून को उसका जन्मदिन मनाने के लिए लोहागढ़ ट्रेकिंग पर गए थे। उन्होंने उसके साथ भविष्य की योजना बनाई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी।

शुरूआत में, मंगेतर ने पुलिस के बताया कि तस्वीरें खिंचवाते समय केतन का पैर फिसल गया और वह घाटी में गिर गया। तीन घंटे के ऑपरेशन के बाद बचाव दल ने शव के बाहर निकाला। हालांकि, जांच के दौरान लोनावला पुलिस को कुंछ गंभीर विसंगतियां मिलीं। मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और मौके पर मौजूद लोगों के बयानों से शक पैदा हुआ। इसके बाद पुलिस ने मंगेतर और प्रेमी को हिरासत में ले लिया।

जांच करने वालों का कहना है कि केतन की मंगेतर और उसके प्रेमी ने कथित तौर पर उसे गहरी घाटी में धकेल दिया। पुलिस अब इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आरोपियों की किसी और ने भी मदद की थी।

ममता बनर्जी को टीएमसी में सीधी चुनौती! बागी गुट ने बनाई नई राष्ट्रीय समिति, अभिषेक की कुर्सी भी छिनी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता में एक खास बैठक में, विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने एक नई राष्ट्रीय लीडरशिप टीम बनाई। इस कदम से ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के अधिकार को सीधे चुनौती दी गई। TMC के अंदर बगावत ने एक अहम मोड़ ले लिया। बागी नेताओं ने सिर्फ. लीडरशिप को चुनौती देने से आगे बढ़कर संगठन को ही नए सिरे से बनाने की कोशिश की और अपने गुट को पार्टी का असली उत्तराधिकारी बताया।

कोलकाता के एक होटल में हुई इस 31 मिनट की खास बैठक में राज्य भर से बागी विधायक, पूर्व पार्षद और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। TMC का 'जुड़वां फूल' वाला चुनाव चिह्न तो प्रमुखता से दिख रहा था, लेकिन मंच पर महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, काजी नजरुल इस्लाम और बीआर अंबेडकर की तस्वीरें लगी थीं। खास बात यह थी कि ममता बनर्जी की तस्वीरें वहां नहीं थीं, जो लंबे समय से पार्टी का मुख्य चेहरा रही हैं।

सभा को संबोधित करते हुए रिताब्रता बनर्जी ने दावा किया कि पार्टी संवैधानिक संकट का सामना कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि TMC के संविधान के अनुच्छेद 20 के तहत हर तीन साल में एक राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन करना जरूरी है। बागी गुट के अनुसार, पिछली राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन 12 फरवरी, 2022 को हुआ था और उसका कार्यकाल इस साल 11 फरवरी को खत्म हो गया। चूंकि उसके बाद कोई नई समिति नहीं बनाई गई, इसलिए गुट ने तर्क दिया कि पार्टी के संगठनात्मक ढांचे का पुनर्गठन करना जरूरी हो गया था।

बैठक में पहले 10 सदस्यों वाली राष्ट्रीय कार्य समिति को मंजूरी दी गई, जिसमें अरूप रॉय, फिरहाद हकीम, अरूप बिस्वास, बिप्लब मित्रा, अखरुज्जमान अंसारी, सबीना यास्मीन, संदीपन साहा, रथिन घोष, जावेद खान और रिताब्रता बनर्जी शामिल थे; बाद में इसे 30 सदस्यों वाली समिति में बदल दिया गया। हावड़ा सेंट्रल के वरिष्ठ विधायक अरूप रॉय को ध्वनि मत से अध्यक्ष चुना गया। बैठक के बाद बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि टीएमसी नेताओं और सदस्यों के विशेष सत्र में सर्वसम्मति से अरूप रॉय को पार्टी अध्यक्ष चुना गया।

पूर्व मंत्री बिस्वास और विधायक हकीम, घोष और यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। ऋतब्रता बनर्जी, खान और साहा को महासचिव बनाया गया, जबकि अखुज्जमान अंसारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस प्रक्रिया की वैधता को मजबूत करते हुए बनर्जी ने जोर देकर कहा कि कार्यवाही पार्टी संविधान के अनुसार की गई है और इसकी जानकारी चुनाव आयोग को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह इस बारे में नहीं है कि क्या वास्तविक है और क्या नहीं। हम टीएमसी हैं और आज के विशेष सत्र की कार्यवाही के बारे में चुनाव आयोग को सूचित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमने काम किया है और सहयोग किया है।

हालांकि, बनर्जी ने ममता बनर्जी के प्रति सुलह का रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी मुख्य सलाहकार बनना चाहती हैं, तो उनका स्वागत है। गौर करने वाली बात यह है कि बैठक के बाद अभिषेक बनर्जी के सस्पेंड होने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन बागी गुट के नेताओं ने ऐसा कोई प्रस्ताव न तो पेश किया और न ही उसे अपनाया।

इसके बजाय, एक नई राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन करके और नए महासचिवों की नियुक्ति करके, उस गुट ने अभिषेक बनर्जी को पिछली संगठनात्मक संरचना के तहत राष्ट्रीय महासचिव के पद से प्रभावी रूप से हटा दिया।

बिहार की राजनीति में 'खलनायक' पर संग्राम, सम्राट चौधरी के बयान पर राजद का तीखा पलटवार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को ''सबसे बड़ा खलनायक'' बताए जाने पर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। चौधरी ने एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए कहा था, ''सबसे बड़ा खलनायक, जिससे सभी डरते हैं, अब खुद डर में जी रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि बिहार में अब सुशासन की सरकार है।'' राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चौधरी को ''लालू जी की पाठशाला का उत्पाद'' बताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वह ''बिना जनादेश वाले मुख्यमंत्री'' बन गए हैं। झा ने कहा, ''हम सार्वजनिक भाषणों में की मयार्दा बनाए रखते हैं। हम खलनायकों को भी खलनायक नहीं कहते और यहां इस धरती के सबसे बड़े 'नायक' को 'खलनायक' कहा जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी लालू प्रसाद की उसी ''पाठशाला'' के छात्र हैं लेकिन उन्होंने वहां की शिक्षा को आत्मसात नहीं किया और अब पूरी तरह अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल का हिस्सा बन गए हैं। राजद की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुख्यमंत्री के बयान को ''अनावश्यक और अपरिपक्व'' बताया। उन्होंने कहा, ''लोग लालू प्रसाद को एक ऐसे संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने सशक्तिकरण आधारित कल्याणकारी राजनीति के बल पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है।'' मंडल ने दावा किया कि इस प्रकार की टिप्पणी से पिछड़े वर्गों के लोग आहत हुए हैं।

तमिलनाडु अमोनिया गैस लीक हादसा: मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 9, जीवन और मौत से लड़ रहे 69 मजदूर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले (पेरियापालयम के पास) में एक प्राइवेट सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट कंपनी में अमोनिया गैस लीक होने से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर अब 9 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार सुबह एक और मजदूर की मौत की पुष्टि की है। इसे राज्य के हालिया सालों में सबसे बड़े औद्योगिक हादसों में से एक माना जा रहा है।

बता दें कि यह हादसा 21 जून की रात को कन्निगईपेर-मंजंगरनई इलाके में स्थित फैक्ट्री में हुआ। गैस लीक होने के समय कई मजदूर वहां ड्यूटी पर तैनात थे। अचानक गैस लीक होने से वहां हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में कुल 80 लोग गैस की चपेट में आए।

वहीं हादसे वाली रात 21 जून को 2 लोगों की मौत हुई थी। सोमवार शाम तक यह आंकड़ा 6 पहुंचा और मंगलवार सुबह 3 और मजदूरों के दम तोड़ने के बाद कुल मरने वालों की संख्या 9 हो गई है।

प्रभावित मजदूरों में 69 का इलाज अभी भी जारी

प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रभावित लोगों में से 2 मजदूर पूरी तरह ठीक होकर घर लौट चुके हैं, जबकि 69 मजदूरों का इलाज अभी भी चेन्नई और तिरुवल्लूर के अलग-अलग अस्पतालों (जैसे राजीव गांधी सरकारी अस्पताल, स्टेनली मेडिकल कॉलेज, वेल्स और वेंकटेश्वर अस्पताल) में चल रहा है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है और वे डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में हैं।

मारे गए में ज्यादा तर प्रवासी मजदूर

मारे गए ज्यादातर लोग महिला प्रवासी मजदूर थे। प्रशासन के मुताबिक, जान गंवाने वाले 9 लोगों में से 7 मजदूर ओडिशा के रहने वाले थे और 2 मजदूर असम के थे। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि अमोनिया गैस के फेफड़ों में जाने (इनहेलेशन) की वजह से मजदूरों को सांस लेने में गंभीर दिक्कतें आ रही हैं। इसके अलावा आंखों और गले में तेज जलन, लगातार खांसी और सांस फूलने जैसी परेशानियां देखी जा रही हैं।

मैसूर में खौफनाक त्रासदी! शादी से ठीक एक दिन पहले होने वाली दुल्हन और माता-पिता ने किया सुसाइड! पड़ोसी युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मैसूर जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ शादी की खुशियाँ चंद पलों में मातम में बदल गईं। अपनी बेटी की शादी से ठीक एक दिन पहले, 21 वर्षीय होने वाली दुल्हन और उसके माता-पिता ने कथित तौर पर जहर खाकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। इस खौफनाक कदम के पीछे सामाजिक बदनामी और मानसिक उत्पीड़न को वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए परिवार को प्रताड़ित करने और उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक के मैसूर जिले में शादी से ठीक एक दिन पहले 21 साल की होने वाली दुल्हन और उसके माता-पिता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिवार को परेशान करने और उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब परिवार ने एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें उन्होंने उल्लास गौड़ा पर गंभीर मानसिक उत्पीड़न और शादी तय होने के बाद महिला के बारे में झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया।

आरोपी माता-पिता पर अपनी बेटी की शादी उससे करने का दबाव बना रहा था। यह घटना सोमवार को वरुणा विधानसभा क्षेत्र के केम्पय्याना हुंडी गांव में सामने आई, जहां शिवन्ना, उनकी पत्नी नागरत्ना और उनकी बेटी रक्षिता कथित तौर पर जहर खाने के बाद मृत पाए गए।

घर से मिले सुसाइड नोट में उसी गांव के रहने वाले उल्लास गौड़ा पर परिवार को मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया गया है।

बेटी की शादी का दबाव

पुलिस जांच के अनुसार, उल्लास कथित तौर पर रक्षिता को परेशान कर रहा था और उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था, जबकि उसकी सगाई पहले ही किसी और व्यक्ति से हो चुकी थी। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर रक्षिता के साथ संबंध होने के झूठे दावे फैलाए और यह बात उसके मंगेतर और उसके परिवार तक पहुंचाई।

पुलिस को शक है कि इन आरोपों और उसके कारण समाज में बदनामी और परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने के डर से परिवार टूट गया था, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। सुसाइड नोट में कथित तौर पर कहा गया है कि उल्लास गौड़ा ने रक्षिता के मंगेतर को संदेश भेजे थे, जिसमें उसने रक्षिता के साथ अपने संबंधों के बारे में झूठे दावे किए थे।

सुसाइड नोट की बातों और शुरूआती जांच के आधार पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उल्लास गौड़ा को गिरफ्तार किया। टी नरसीपुरा पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सुसाइड नोट, डिजिटल सबूत और घटना से जुड़ी अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है। आगे की जांच जारी है।

संपादक की कलम से

शहर किसके लिए: वाहन या नागरिक?

ललित शर्मा
संपादक

म भारत के शहर तेजी से बढ़ रहे हैं। महानगरों से लेकर मध्यम और छोटे शहरों तक शहरीकरण की गति अभूतपूर्व है। आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों और बेहतर सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। किंतु इस तीव्र शहरी विस्तार के बीच एक बुनियादी प्रश्न अक्सर उपेक्षित रह जाता है—क्या हमारे शहर अपने नागरिकों के लिए चलने योग्य (हं''ु ी) हैं? क्या सड़कें केवल वाहनों के लिए हैं या मनुष्यों के लिए भी? हाल ही में न्यायपालिका द्वारा सुरक्षित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन और गरिमा के अधिकार से जोड़ते हुए मौलिक अधिकार की संज्ञा दिए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ की गई हैं। यह एक स्वागत योग्य संवैधानिक प्रोत्साहन है, क्योंकि यह पहली बार शहरी अवसंरचना को केवल निर्माण और यातायात के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और मानव गरिमा के संदर्भ में देखने का प्रयास करता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल न्यायिक घोषणा या कानूनी मान्यता से भारतीय शहर वास्तव में पैदल यात्रियों के अनुकूल बन जाएंगे? इस प्रश्न का उत्तर नकारात्मक है। वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शहरी नियोजन की सोच वाहन–केंद्रित मॉडल से हटकर मानव–केंद्रित मॉडल की ओर अग्रसर होगी और समाज में पैदल चलने को सम्मानजनक एवं प्राथमिक परिवहन माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाएगा। भारत में पैदल चलना कोई सीमित गतिविधि नहीं है। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार देश में बड़ी संख्या में दैनिक यात्राएँ पूरी या आंशिक रूप से पैदल ही की जाती हैं। गरीब, मजदूर, विद्यार्थी, महिलाएँ, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक सबसे अधिक पैदल यात्रा करते हैं। इसके बावजूद शहरी नियोजन में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता मिलती है। अधिकांश शहरों में फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या इतने संकरे, टूटे हुए और अतिक्रमण से घिरे होते हैं कि उनका उपयोग करना कठिन हो जाता है। कई स्थानों पर फुटपाथ पार्किंग स्थल, दुकानों के विस्तार, ठेलों या निर्माण सामग्री के भंडारण में परिवर्तित हो जाते हैं। इस स्थिति का सबसे दुखद परिणाम सड़क दुर्घटनाओं में दिखाई देता है। भारत विश्व में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों के मामले में अग्रणी देशों में है। इन दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। सड़क पार करने, फुटपाथों की अनुपलब्धता और वाहनों की तेज गति के कारण हजारों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवाते हैं। यह केवल परिवहन का संकट नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और मानवाधिकार का भी प्रश्न है। संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इसकी व्याख्या का दायरा बढ़ाते हुए स्वच्छ पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसे अधिकारों को भी इसमें शामिल किया है। सुरक्षित पैदल मार्गों का अधिकार इसी प्रगतिशील संवैधानिक दृष्टिकोण का विस्तार है। जब कोई नागरिक अपने घर से विद्यालय, कार्यालय, अस्पताल या बाजार तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुँच सकता, तब उसके जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार अधूरा रह जाता है। इसलिए फुटपाथ केवल सीमेंट और कंक्रीट की संरचना नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक हैं। फिर भी केवल अधिकार की घोषणा पर्याप्त नहीं है। भारत में अनेक अधिकारों को कानूनी मान्यता प्राप्त होने के बावजूद उनके क्रियान्वयन में गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। शिक्षा का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और भोजन का अधिकार इसके उदाहरण हैं।

चलना है जिन्दगी

उदय किशोर साह

कविता

हँसता है नगर हँसने दो शहर
दृढ़ संकल्प ले देख अपनी डगर
चुमता है कदम जब हौसला हो बुलन्द
चलते ही चलो चाहे चाल हो तेरी मन्द

संघर्ष हो जवां मंजिल है वहाँ
निर्भिक बनो ताकि झुक जाये आसमां
मिहनत की ताली खोलता है ताला बन्द
चलते हो चलो चाहे चाल हो तेरी मन्द

पथ पे काँटे हैं हजार चुभ जायेगी सौ बार
जख्म दे रूलायेगी तुम्हें जार जार मेरे यार
नजर अंदाज कर नजर ना देख कोई पाबन्द
चलते ही चलो चाहे चाल हो तेरी मन्द

डर को मन से भगा अपनी हिम्मत तो जगा
रूकना नहीं राह पे चाहे कोई भी हो सगा
कीचड् में खिला कमल देता जीवन को आनन्द
चलते ही चलो चाहे चाल हो तेरी मन्द

आलस्य तेरी राह की बैरी है मेरे भाई
तोड़ कर कर कर्म चाहे रोके कोई साईं
वक्त के साथ जो बहा बन जाता सदानन्द
चलते ही चलो चाहे चाल हो तेरी मन्द

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विकास के उत्सव में छिपी त्रासदी

एन0के0शर्मा
लेखक

चमकते राजमार्गों, आकाश को छूती इमारतों, बहुरंगी रोशनी से सजे नगरों और आंकड़ों की चकाचौंध में डूबे सरकारी विज्ञापनों के बीच यदि कोई सबसे कठिन कार्य है, तो वह है विकास की उस तस्वीर के पीछे छिपे यथार्थ को देख पाना जिसे सत्ता और व्यवस्था मिलकर एक उत्सव की तरह प्रस्तुत करती हैं। आज विकास केवल एक नीति नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा सार्वजनिक आयोजन बन चुका है जिसमें उपलब्धियों का मंच विशाल होता जा रहा है और प्रश्न पूछने वालों के लिए स्थान लगातार छोटा होता जा रहा है। उद्घाटन समारोहों की चमक, विज्ञापनों की भाषा, घोषणाओं का शोर और उपलब्धियों के दावों का अम्बार इतना अधिक है कि आम नागरिक के लिए यह समझना कठिन हो जाता है कि वास्तव में विकास हो रहा है या विकास का प्रदर्शन।

वर्तमान समय में विकास को अक्सर कंक्रीट, स्टील, सीमेंट और मशीनों की गति से मापा जाता है। जितनी अधिक सड़कें, उतने अधिक पुल, जितनी ऊँची इमारतें और जितने बड़े निवेश, उतना अधिक विकास घोषित कर दिया जाता है। किंतु प्रश्न यह है कि क्या विकास केवल संरचनाओं का निर्माण है या मनुष्यों के जीवन का उत्थान भी? क्या विकास का अर्थ केवल आर्थिक ग्राफ का ऊपर जाना है या समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और अवसरों का पहुँचना भी है? दुर्भाग्यवश इन प्रश्नों को अक्सर उत्सव के शोर में दबा दिया जाता है।

सरकारी मशीनरी ने विकास को एक ऐसे चमकदार आवरण में लपेट दिया है जिसमें हर उपलब्धि स्वर्णिम दिखाई देती है, जबकि उसकी वास्तविकता कई बार पीतल से भी कमजोर साबित होती है। आंकड़ों की प्रस्तुति ऐसी होती है कि सफलता का भ्रम पैदा हो जाए, किंतु उन आंकड़ों के पीछे छिपी मानवीय कहानियाँ शायद ही कभी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं। किसी परियोजना के उद्घाटन की तस्वीरें राष्ट्रीय समाचार बन जाती हैं, लेकिन उसी परियोजना के लिए विस्थापित हुए परिवारों की पीड़ा स्थानीय अखबारों के छोटे से कोने में भी स्थान नहीं पाती।

विकास के नाम पर हजारों गाँव अपनी पहचान खो देते हैं। खेत, जो पीढ़ियों तक अन्न उपजाते रहे, औद्योगिक क्षेत्रों में बदल दिए जाते हैं। जंगल, जो प्रकृति और आदिवासी जीवन का आधार रहे, खनन परियोजनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। नदियाँ, जो सभ्यताओं की जननी रही हैं, बांधों और प्रदूषण के बोझ तले कराहने लगती हैं। इन सबके बावजूद आधिकारिक दस्तावेजों में विकास की सफलता दर्ज होती रहती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो विकास का मूल्यांकन मानव जीवन की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि निर्माण की मात्रा से किया जा रहा हो।

इस त्रासदी का सबसे दर्दनाक पक्ष यह है कि विकास का लाभ और उसका बोझ समान रूप से वितरित नहीं होता। लाभ प्रायः उन वर्गों तक अधिक पहुँचता है जिनके पास पहले से संसाधन हैं, जबकि उसका बोझ उन लोगों पर पड़ता है जिनकी आवाज सबसे कमजोर होती है। महानगरों की चमक के लिए छोटे कस्बों का अंधकार बढ़ता है। बड़े निवेशों के लिए छोटे व्यवसाय संघर्ष करते हैं। कॉर्पोरेट विस्तार के लिए पारंपरिक आजीविकाएँ समाप्त होती हैं। आर्थिक वृद्धि के उत्सव में सामाजिक असमानता की दरारें और गहरी हो जाती हैं।

विडंबना यह है कि विकास के दावों के साथ-साथ बेरोजगारी, कुपोषण, स्वास्थ्य संकट, शिक्षा की गिरती गुणवत्ता और सामाजिक असुरक्षा जैसे प्रश्न भी बने रहते हैं। यदि विकास वास्तव में समावेशी होता, तो अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें नहीं होतीं, विद्यालयों में संसाधनों का अभाव नहीं होता, और रोजगार की तलाश में युवाओं को निराशा का सामना नहीं करना पड़ता। लेकिन जब इन मुद्दों पर सवाल उठाए जाते हैं, तब अक्सर उन्हें नकारात्मकता या प्रगति-विरोधी मानसिकता का नाम देकर खारिज कर दिया जाता है।

सरकारी तंत्र की सबसे बड़ी शक्ति सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करने में दिखाई देती है। योजनाओं की सफलता का प्रचार व्यापक स्तर पर किया जाता है, जबकि उनकी विफलताओं पर मौन साध लिया जाता है। एक पुल का उद्घाटन राष्ट्रीय उपलब्धि बन जाता है, लेकिन उसके निर्माण में हुई अनियमितताओं की चर्चा सीमित रह जाती है। एक नई परियोजना को भविष्य का प्रतीक बताया जाता है, लेकिन उसके आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर गंभीर विमर्श नहीं होता। इस प्रकार विकास की कथा एकतरफा होती चली जाती है, जिसमें उत्सव है, पर आत्ममंथन नहीं; उपलब्धि है, पर उत्तरदायित्व नहीं।

विकास की यह राजनीति केवल संरचनाओं का निर्माण नहीं करती, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक वातावरण भी निर्मित करती है जिसमें नागरिकों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि जो कुछ हो रहा है, वही सर्वोत्तम है। आलोचना को अवरोध माना जाता है और प्रश्नों को असहमति नहीं बल्कि विरोध के रूप में देखा जाता है। परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक संवाद कमजोर पड़ने लगता है। विकास का विमर्श नागरिक भागीदारी से दूर होकर विशेषज्ञों, नौकरशाहों और सत्ता केंद्रों के बीच सीमित हो जाता है।

इतिहास गवाह है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक विस्तार से नहीं मापी जा सकती। प्राचीन सभ्यताओं से लेकर आधुनिक राष्ट्रों तक, स्थायी विकास वही माना गया है जिसने मनुष्य और प्रकृति, उत्पादन और न्याय, समृद्धि और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित किया हो। जब यह संतुलन टूटता है, तब विकास का उत्सव धीरे-धीरे त्रासदी में बदल जाता है। बाहर से चमकती हुई व्यवस्थाएँ भीतर से खोखली होने लगती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास को केवल परियोजनाओं और निवेशों के संदर्भ में न देखा जाए, बल्कि उसके मानवीय परिणामों के आधार पर परखा जाए। यह पूछा जाए कि कितने लोगों का जीवन बेहतर हुआ, कितनों को सम्मानजनक रोजगार मिला, कितनों की शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति सुधरी, कितने परिवार विस्थापन से बचे और कितनी प्राकृतिक संपदा संरक्षित रही। यदि इन प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक नहीं हैं, तो विकास का उत्सव अधूरा है, चाहे उसके मंच कितने ही भव्य क्यों न हों।

सच्चा विकास वह नहीं जो केवल सत्ता के भाषणों में चमके, बल्कि वह है जो नागरिकों के जीवन में दिखाई दे। वह नहीं जो विज्ञापनों में स्वर्णिम दिखे, बल्कि वह जो वास्तविकता की कसौटी पर खरा उतरे। क्योंकि इतिहास अंततः उद्घाटन पट्टिकाओं को नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन को याद रखता है जिनके नाम पर विकास का दावा किया गया था। यदि विकास के नाम पर समाज का एक बड़ा वर्ग पीड़ा, असुरक्षा और उपेक्षा का जीवन जीने को विवश है, तो फिर यह आवश्यक है कि उत्सव के शोर से बाहर निकलकर उस त्रासदी को देखा जाए जो उसकी चमक के पीछे छिपी हुई है। यही किसी जागरूक समाज, उत्तरदायी शासन और जीवंत लोकतंत्र की पहली शर्त है।

बुजुर्गों की सेवा का फल: डिजिटल युग में युवाओं के लिए सबसे बड़ा संस्कार

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज का युग विज्ञान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति का युग है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। ज्ञान, सूचना और सुविधाओं के असीमित द्वार खुल गए हैं। लेकिन इस तेजी से बदलते दौर में यदि कोई मूल्य सबसे अधिक संकट में दिखाई देता है, तो वह है बड़े-बुजुर्गों और माता-पिता के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सेवा भाव। आधुनिकता आवश्यक है, प्रगति भी आवश्यक है, परंतु यदि प्रगति के मार्ग पर चलते हुए हम अपने संस्कार, अपने बुजुर्गों और अपने माता-पिता को पीछे छोड़ दें, तो वह विकास अधूरा माना जाएगा।

भारत सदियों से संस्कारों, पारिवारिक मूल्यों और पीढ़ियों के सम्मान की संस्कृति का वाहक रहा है। हमारे यहां माता-पिता को देवतुल्य माना गया है और बुजुर्गों को अनुभव का चलता-फिरता विश्वविद्यालय कहा गया है। वे केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक, प्रेरक और संरक्षक होते हैं। जिस घर में बुजुर्गों का साया होता है, वहां अनुभव, धैर्य, संयम और आशीर्वाद का अमूल्य खजाना होता है। इसलिए कहा गया है कि बूढ़े माता-पिता और बड़े-बुजुर्गों की सेवा के समान कोई दूसरा पुण्य नहीं है।

आज की युवा पीढ़ी अभूतपूर्व अवसरों के दौर में जी रही है। करियर, प्रतियोगिता, तकनीक और वैश्विक जीवनशैली के दबाव के बीच कई बार परिवार के बुजुर्ग उपेक्षित हो जाते हैं। युवा घंटों मोबाइल स्क्रीन पर व्यतीत कर देते हैं, लेकिन अपने माता-पिता या दादा-दादी के साथ कुछ मिनट बैठकर उनकी बातें सुनने का समय नहीं निकाल पाते। यह केवल समय का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं का प्रश्न है। याद रखना चाहिए कि जिन माता-पिता ने अपने जीवन के सुनहरे वर्ष हमारी परवरिश, शिक्षा और भविष्य निर्माण में समर्पित कर दिए, उनके वृद्धावस्था के दिनों में हमारा कर्तव्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें सम्मान, अपनापन और भावनात्मक सहारा देना भी है।

मैंने स्वयं ऐसे अनेक बुजुर्गों से बातचीत की है जिन्हें परिस्थितियों या अपनों की उपेक्षा का सामना करना पड़ा। आश्चर्य की बात यह रही कि उन्होंने अपने दुख-दर्द का बखान करने के बजाय अपने बच्चों की अच्छाइयों का ही उल्लेख किया। यही उनका बड़प्पन, त्याग और निस्वार्थ प्रेम है। ऐसे क्षणों में महसूस होता है कि वास्तव में बुजुर्गों का हृदय ईश्वर की करुणा का प्रतिबिंब होता है। उनकी आंखों में अपने बच्चों के लिए शिकायत कम और शुभकामनाएं अधिक होती हैं। यही कारण है कि उनके आशीर्वाद को संसार का सबसे बड़ा वरदान माना गया है।

डिजिटल युग के युवाओं को यह समझना होगा कि आधुनिकता और संस्कार एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। एक सफल इंजीनियर, डॉक्टर, व्यवसायी, अधिकारी या तकनीकी विशेषज्ञ बनने के साथ-साथ एक संवेदनशील पुत्र, पुत्री, पोता या पोती बनना भी उतना ही आवश्यक है। तकनीक हमें दुनिया से जोड़ सकती है, लेकिन परिवार से जुड़े रहने की जिम्मेदारी हमें स्वयं निभानी होगी। यदि युवा प्रतिदिन कुछ समय अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ बिताएं, उनका हालचाल पूछें, उनकी आवश्यकताओं को समझें और उन्हें सम्मान दें, तो परिवारों में प्रेम और विश्वास की नई ऊर्जा का संचार होगा।

युवाओं को यह भी याद रखना चाहिए कि आज जिन माता-पिता और बुजुर्गों को वे वृद्ध होते देख रहे हैं, कल वही स्थिति उनकी भी होगी। वृद्धावस्था जीवन का स्वाभाविक चरण है। इसलिए बुजुर्गों के साथ किया गया व्यवहार भविष्य में समाज के चरित्र का निर्धारण करता है। यदि आज सम्मान और सेवा का संस्कार दिया जाएगा, तो आने वाली पीढ़ियां भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाएंगी।

घर के बुजुर्ग केवल अनुभवों का भंडार नहीं होते, बल्कि वे जीवन की कठिन परिस्थितियों में सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। उनके अनुभव अनेक पुस्तकों के अध्ययन से भी अधिक मूल्यवान हो सकते हैं। युवा यदि उनके साथ समय बिताएं, उनकी जीवन-यात्रा सुनें और उनसे सीख लें, तो उन्हें धैर्य, संघर्ष, अनुशासन और मानवीय मूल्यों की ऐसी शिक्षा मिलेगी जो किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग करना न सिखाएं, बल्कि उन्हें अपने दादा-दादी और माता-पिता के चरण स्पर्श करने, उनका सम्मान करने और उनके साथ समय बिताने की प्रेरणा भी दें। परिवार में यदि बुजुर्गों का सम्मान होगा, तो बच्चों में भी वही संस्कार विकसित होंगे। जब बच्चे अपने माता-पिता को बुजुर्गों का आदर करते देखते हैं, तो वे भी उसी व्यवहार को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं। युवाओं के लिए सबसे बड़ी सीख यही है कि सफलता केवल ऊंची तनख्वाह, बड़ा घर या प्रतिष्ठित पद प्राप्त करने में नहीं है। वास्तविक सफलता तब है जब आपकी उपलब्धियों पर आपके माता-पिता और बुजुर्ग गर्व महसूस करें, उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर मुस्कान दिखाई दे। दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि भी उस आशीर्वाद के सामने छोटी पड़ जाती है जो माता-पिता और बुजुर्गों के हृदय से निकलता है। आज के डिजिटल युग में यदि युवा प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल और सोशल मीडिया से निकालकर अपने बुजुर्गों के साथ बिताने का संकल्प लें, उनकी भावनाओं का सम्मान करें, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उन्हें परिवार का केंद्र मानें, तो अनेक सामाजिक समस्याएं स्वतः समाप्त हो सकती हैं। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और अकेलेपन की पीड़ा को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय यही है कि हम अपने बुजुर्गों को सम्मान और प्रेम दें। अतः यदि हम इस विषय का समग्र विश्लेषण करें, तो स्पष्ट होता है कि बुजुर्गों की सेवा का फल अत्यंत मधुर, पवित्र और अमूल्य है। बड़े-बुजुर्गों और माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं। जीवन का वास्तविक सुख, शांति और समृद्धि उनके श्रीचरणों में निहित है। जब कोई बुजुर्ग निःशब्द आपके सिर पर अपना स्नेहिल हाथ रख देता है, तब समझिए कि आपको ईश्वर का सबसे बड़ा आशीर्वाद प्राप्त हो गया है। इसलिए आधुनिक डिजिटल युग के प्रत्येक युवा का कर्तव्य है कि वह अपने माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करे, उनकी सेवा करे और भारतीय संस्कृति के इस अमूल्य संस्कार को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाए।

खामोश साइकिल और बदलता बाजार: ऑनलाइन युग में टूटते फेरीवालों की दर्दभरी कहानी

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बचपन की यादों के किसी कोने में आज भी वह एक दृश्य ठहरा हुआ है- गांव की चौहद्दी पर लगे मेले की धूल, तपती गर्मी और उस सबके बीच से गुजरती एक पुरानी, चरमराती साइकिल। उस साइकिल के पीछे कैरियर पर बंधी एक बांस की खपच्ची, जिसमें खोंसे हुए रंग-बिरंगे भोंपू, प्लास्टिक की गुड़िया, टिक-टिक करती तीतर-बटेर वाली गाड़ियां और हवा में लहराती लाल-पीली पन्नियों की फिरफिरियां। वह महज खिलौने बेचने वाला नहीं था, वह सीधे अपनी पीठ पर खुशियों का पूरा का पूरा संसार लादे चला आता था। उसकी साइकिल की घंटी बजती थी, तो लगता था जैसे पूरे मोहल्ले के बच्चों के फेफड़ों में नई हवा भर गई हो। आज लगता है कि हम सब बड़े क्या हुए, उस साइकिल वाले की पूरी दुनिया ही कहीं खो गई। अब न वह घंटी सुनाई देती है, न मेले की उस धूल में वह जानी-पहचानी सूरत दिखाई देती है। ऐसा लगता है कि वक्त की तेज रफ्तार ने उस गरीब के पैरों के पैडल ही छीन लिए हैं।

ऑनलाइन खरीदारी वाले इस नए जमाने में उस गरीब फेरीवाले की पोटली अब कबाड़ का ढेर लगने लगी है। वह हर सुबह उठकर अपनी साइकिल की उतरी हुई चेन चढ़ाता है, जी-तोड़ पैडल मारता है, पर कमबख्त वक्त का पहिया उससे बहुत आगे निकल चुका है। बाजार के इस चमचमाते मलबे के नीचे उसकी उम्मीदें और छोटा-सा हुनर घुटकर दम तोड़ चुके हैं।

लोग सच ही कहते हैं कि भूखे भजन न होय गोपाला, पर यहां तो पूरी जिंदगी ही भूख का अंतहीन भजन बन गई है। यह सोच कर किसी का भी कलेजा फट जाए कि जो शख्स दूसरों के बच्चों के होठों पर चंद रुपयों में मुस्कान बिखेरने की जिद में अपनी एड़ियां घिस देता है, उसके अपने मासूम बच्चे रात को अक्सर भूखे पेट, रोते हुए सो जाते हैं। उसकी उस फटी कमीज के मैल और पसीने की गंध में ईमानदारी की आखिरी गवाही बची है, जिसे यह बेरहम दुनिया देखना ही नहीं चाहती।

मेले का मतलब कभी होता था रिश्तों का मिलना, खुशियों का साझा होना, लेकिन अब मेले भी कॉरपोरेट हो गए हैं। बड़े-बड़े पंडाल, टिकट वाले झूले और वीआईपी पास के बीच उस साइकिल वाले को बाहर से ही खदेड़ दिया जाता है। डांट सुन कर सिर्फ उसकी साइकिल पीछे नहीं हटती, बल्कि उसका आत्मसम्मान भीतर तक लहूलुहान हो जाता है।

वह अपनी ढीली पड़ चुकी चप्पल को घसीटता हुआ, सिर झुकाए किसी पेड़ की छांव में जा खड़ा होता है। उसकी वह लाचारी, उसका वह मौन विलाप देखकर आसमान का कलेजा भी कांप उठता होगा। उसने कभी किसी से भीख नहीं मांगी, उसने तो बस अपने पसीने की बूंदों से खिलौने सींचे थे, पर इस बेरहम दुनिया ने उसे उसकी ईमानदारी का यही सिला दिया। ऐसा लगता है कि वह सिर्फ एक खिलौने बेचने वाला नहीं, बल्कि हमारी गुजर चुकी मासूमियत का आखिरी कफन है, जो धीरे-धीरे मैला हो रहा है। हम जितने आधुनिक हो रहे हैं, उतने ही कसाई होते जा रहे हैं। हमें तरस आता है भूखे जानवरों पर, हम सोशल मीडिया पर संवेदनाओं के समंदर बहा देते हैं, पर सामने खड़े उस जीते-जागते मरते हुए इंसान की सिसकी हमारे कानों तक नहीं पहुंचती। उसकी साइकिल का वह जर्जर ढांचा, जिसका हैंडल अब मुड़ चुका है और जिसकी गद्दी फटकर रुई उगल रही है, ठीक उसकी जिंदगी का आईना है। वह हर रोज सुबह एक नई जंग के लिए निकलता है, यह जानते हुए भी कि इस बाजार में उसकी हार पहले से ही तय है।

अब तो गलियों में उसकी आवाज भी जैसे घुटकर रह गई है। पहले उसकी एक हांक पर पूरा मोहल्ला जीवंत हो उठता था! अब उसकी आवाज कलाई घड़ियों के अलार्म और मोबाइल की रील के शोर में कहीं दफ्न हो गई है। लोग अपने घरों के ऊंचे दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लेते हैं, ताकि बाहर की धूल और वह दरिद्रता भीतर न आ सके। वह बंद दरवाजों को देखता है, अपनी सूखी जीभ से होठों को चाटता है और बिना कुछ कहे आगे बढ़ जाता है। उसकी पीठ झुक गई है, बाल समय से पहले सफेद हो गए हैं और हाथों की नसें इस तरह उभर आई हैं जैसे कोई सूखा हुआ दरख्त हो। वह एक जीता-जागता भूत बन चुका है, जो इंसानों की बस्ती में अपनी खोई हुई जिंदगी ढूंढ रहा है। आखिर में जब वह इतिहास के पन्नों से पूरी तरह गायब हो जाएगा, तब शायद हम उसे याद करें, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। हमने अपनी तरक्की की वेदी पर एक बेहद मासूम और ईमानदार वजूद की बलि चढ़ा दी होगी। जब भी कभी किसी पुरानी अलमारी से वह धूल खाती हुई प्लास्टिक की फिरफिरी मिले, तो यह सोचने की जरूरत है कि इसे बेचने वाले के घर में उस दिन दीया जला था या नहीं। वह साइकिल वाला कोई कहानी का पात्र नहीं है, वह हमारी आंखों के सामने दम तोड़ती हुई एक संस्कृति है, जिसकी मौत पर न कोई मातम मनेगा, न कोई आंसू बहाएगा। बस, हवा में उसकी साइकिल की वह आखिरी घंटी कहीं गूंजकर हमेशा-हमेशा के लिए खामोश हो जाएगी और हम अपनी सजी-धजी दुनिया में मगन रहेंगे, यह भूलकर कि किसी का पूरा वजूद हमारी बेरुखी की भेंट चढ़ गया।

आगामी कावड़ यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में श्रावण माह में आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा-2026 की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कावड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु विभागवार दायित्व निर्धारित किए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि कावड़ यात्रा मार्ग का संयुक्त भ्रमण कर लिया गया है।

उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण मार्ग पर बैरिकेडिंग, सी सी टी वी, ड्रोन कैमरा एवं पर्याप्त पुलिस/पीएसी बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। नगर पालिका/नगर पंचायत एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग, शिविर स्थलों एवं घाटों पर नियमित साफ-सफाई, चूना छिड़काव, मोबाइल टॉयलेट एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें। मार्ग में कहीं भी गड्ढे न रहें।

अधिशासी अभियंता जल निगम एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि मार्ग में प्रत्येक 1 किमी पर शुद्ध पेयजल, ओ आर एस घोल एवं स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। सभी सी एच सी/पी एच सी व जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं, एंटी-वेनम, एंटी-रेबीज एवं जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रहें। अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग पर लटकते/जर्जर तारों को तत्काल ठीक करें। विद्युत के सभी खंभों पर अस्थाई काली पॉलीथिन की टैपिंग करा दी जाए। कावड़ शिविरों में अस्थाई विद्युत कनेक्शन नियमानुसार दें।

अग्निशमन विभाग प्रत्येक शिविर स्थल पर फायर टेंडर व उपकरणों के साथ तैनात रहे। जिला अभिहित अधिकारी - खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग पर स्थित होटल, ढाबा, फल एवं खाद्य सामग्री विक्रेताओं की सघन चेकिंग करें। रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित हो। जिलाधिकारी ने कहा कि शिविर लगाने हेतु अनुमति संबंधित उप जिलाधिकारी से संबंध में बनाकर ले सकते हैं। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि भारी वाहनों का रूट डायवर्जन प्रभावी ढंग से लागू कराना सुनिश्चित करें, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न ना हो। कावड़ियों के विश्राम के लिए सड़क मार्ग से हटकर पार्किंग स्थल चिन्हित करें। जिला स्तर पर एकीकृत कंट्रोल रूम स्थापित होगा जो 24 घंटे कार्य करेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

अफवाह फैलाने वालों पर एन एस ए की कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी ने अपील कर कहा कि 'कावड़ यात्रा आस्था एवं अनुशासन का प्रतीक है। सभी कावड़िए यातायात नियमों का पालन करें, प्लास्टिक का प्रयोग न करें। जनपदवासी सहयोग कर यात्रा को ऐतिहासिक बनाएं। प्रशासन आपकी सेवा में तत्पर है।' बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, सभी अधिशासी अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग/विद्युत/जल निगम एवं कावड़ यात्रा संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM-YUVA) योजना की जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि CM-YUVA योजना का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार हेतु 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराकर उद्यमी बनाना है। योजना में 10% मार्जिन मनी अनुदान एवं 4 वर्ष तक ब्याज सब्सिडी का प्रावधान है। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति सुनिश्चित करें। अब तक प्राप्त आवेदन, स्वीकृत, वितरित की समीक्षा की गई। लंबित आवेदनों का निस्तारण 7 दिन में करने को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित LDM एवं सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। बिना वैध कारण के आवेदन निरस्त करने पर कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जल निगम (ग्रामीण/नगरीय) की समीक्षा बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन एवं अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत जल निगम के द्वारा संचालित पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत घरों तक नल से जल पहुंचाने का कार्य मिशन मोड में पूर्ण करें। कोई भी ग्राम/मजरा पेयजल योजना से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निमार्णाधीन ओवरहेड टैंक, पाइपलाइन, पंप हाउस एवं सोलर प्लांट का कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

कार्य की गुणवत्ता का थर्ड पार्टी निरीक्षण अनिवार्य है। घटिया सामग्री मिलने पर ठेकेदार व जे०ई०/ए ०ई० के विरुद्ध कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन योजनाओं में कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें ग्राम पंचायत को तत्काल हैंडओवर कर संचालन शुरू कराया जाए। जलापूर्ति नियमित हो और पानी की जांच एफटीके (FTK) किट से हर माह की जाए। ऑपरेटर की तैनाती एवं प्रशिक्षण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट न हो। हैंडपंप रिबोर, टैंकर व्यवस्था एवं खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराएं। 'शुद्ध पेयजल हर नागरिक का अधिकार है। जल निगम के अधिकारी फील्ड में उतरकर योजनाओं की जमीनी हकीकत परखें। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी।'

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला व्यापार एवं उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा की अध्यक्षता में जिला व्यापार एवं उद्योग बंधु समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों, उद्यमियों एवं विभागीय अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने गत बैठक में प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का निस्तारण 7 दिन में कराकर आख्या प्रस्तुत करें। अनावश्यक प्रकरणों को लंबित रखने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। व्यापारियों से सी सी टी वी कैमरे लगाने, बीट पुलिसिंग में सहयोग एवं संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल देने की अपील की। नगर पालिका एवं लोक निर्माण विभाग को औद्योगिक क्षेत्रों व बाजारों में सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई एवं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव की समस्या 15 दिन में दूर करने को कहा। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से जनपद में व्यापार सुगमता - बढ़ाने हेतु सुझाव लिए गए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई ' जिलाधिकारी ने गत माह में हुई सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों के आंकड़ों की समीक्षा की। पुलिस एवं परिवहन विभाग को 'ब्लैक स्पॉट' - जहां बार-बार दुर्घटना होती है - का चिन्हीकरण कर, 15 दिन में सुधारात्मक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना, बिना हेलमेट/सीटबेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान

चलाया जाए। स्कूल वाहनों की फिटनेस एवं चालकों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई एवं नगर पालिका को निर्देश दिए कि सभी सड़कों पर संकेतक बोर्ड, रम्बल स्ट्रिप रैंप, कैट आई, क्रैश बैरियर एवं सोलर ब्लिंकर लगाए जाएं। सड़कों के गड्ढे 7 दिन में भरें। अतिक्रमण हटाकर फुटपाथ खाली कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि 'गोल्डन आवर' में घायलों को तत्काल इलाज मिले। सभी एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर एवं CHC/PHC पर जीवनरक्षक दवाएं 24x7 उपलब्ध रहें। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि शहर में ऑटो/ई-रिक्शा के रूट निर्धारित करें। बिना परमिट, बिना लाइसेंस एवं नाबालिग चालकों के विरुद्ध कार्रवाई हो। सभी व्यावसायिक वाहनों पर स्पीड गवर्नर एवं जी पी एस लगवाना सुनिश्चित करें। पुलिस विभाग को सभी दुर्घटनाओं की एंट्री iRAD पोर्टल पर तत्काल करने के निर्देश दिए ताकि कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर निवारण हो सके। सड़क सुरक्षा सबकी साझा जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट-सीटबेल्ट अवश्य लगाएं। तेज गति से वाहन न चलाएं।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं को किया गया जागरूक, पांच मामलों की काउंसलिंग शुरू

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस मंथन-2025 की संस्तुतियों के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत असौड़ा में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति, दहेज हत्या एवं दहेज प्रताड़ना जैसी घटनाओं में कमी लाना तथा छात्राओं और युवतियों को जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा राय ने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को दहेज हत्या, दहेज प्रताड़ना, महिलाओं द्वारा आत्महत्या तथा लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ जैसे अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी कानूनी प्रावधानों के बारे में भी अवगत कराया। सम्मेलन में मिशन शक्ति केंद्रों पर प्राप्त होने वाले पारिवारिक विवादों के शीघ्र निस्तारण एवं काउंसलिंग की गुणवत्ता में सुधार के विषय में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कुल पांच प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनकी काउंसलिंग की जा रही है। बहू-बेटी सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने सहभागिता कर सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया।

कोटा की 'छात्रों की गूंज' रैली पर कांग्रेस की प्रेस वार्ता, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था पर सरकार को घेरा

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। राजस्थान के कोटा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा आयोजित 'छात्रों की गूंज' रैली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली रोड स्थित जिला कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस वार्ता आयोजित की। संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी एवं शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने छात्रों से जुड़े मुद्दों, परीक्षा पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार को घेरा।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि ठएएळ, खएए और रउ जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि लाखों छात्र-छात्राएं वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं और उनके अभिभावक भारी फीस एवं कर्ज का बोझ उठाकर बच्चों को कोचिंग दिलाते हैं, लेकिन

पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत पर पानी फेर देती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग चंद रुपयों की दलाली के लिए देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।शहर अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि कोटा में आयोजित 'छात्रों की गूंज' रैली में राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें अन्याय एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठित होकर संघर्ष करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए युवाओं को मजबूत होकर आवाज उठानी होगी।राकेश त्यागी ने बताया कि राहुल गांधी देश के विभिन्न राज्यों में 'छात्रों की गूंज' रैलियों का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में जल्द ही उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तथा उसके बाद बिहार के पटना में भी बड़ी छात्र रैलियां आयोजित की जाएंगी, जहां छात्रों और युवाओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।प्रेस वार्ता के दौरान लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में हुए हादसे पर भी दुख व्यक्त किया गया। कांग्रेस नेताओं ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि हापुड़ जनपद में भी कई कोचिंग संस्थान बिना आवश्यक एनओसी के संचालित हो रहे हैं, जिन पर प्रशासन को तत्काल ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे एवं सोने-चांदी के जेवरातों से जुड़े कथित गबन, चोरी और घोटाले के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता 24 जून को प्रातः 10:30 बजे महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपेंगे। इस अवसर पर पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, गढ़ नगर अध्यक्ष मुकेश कौशिक, जिला कोषाध्यक्ष सुशील पाराशर, एससी-एसटी प्रदेश सचिव रश्मि चौधरी, जिला महासचिव गौरव गर्ग, सी.एल. शर्मा, पूरन मल आनंद, कपिल शर्मा, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला चेयरमैन डॉ. पदम सिंह साहनी, डालचंद सिंह, सचिन गोयल, गोपाल भारती, महबूब अली सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिलखुवा पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपी अवैध चाकू समेत गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिलखुवा पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध चाकू बरामद किए हैं।थानाध्यक्ष अतुल चौहान ने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से अवैध चाकू बरामद हुए। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित जांच की जाती रहेगी।

लखनऊ कोचिंग सेंटर मे आग के कारण हुए भयंकर हादसे के बाद अंबाला रोड पर एक रिसोर्ट में आयोजित होने वाली म्यूजिकल नाईट सवालों के घेरे मे

यदि कोई बड़ी दुर्घटना होती है तो जिम्मेदार कौन होगा ?

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। 27 तारीख को अंबाला रोड स्थित एक रिसोर्ट में एक कैंसर पीड़ितों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या आयोजन के लिए जरूरी मानदंडों को पूरा किया जा रहा है, इसको लेकर आयोजको का कहना है कि उनके द्वारा सभी एनओसी ली जा चुकी है परन्तु वही सूत्रों की माने तो नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय से कोई एनओसी नही हुई है वही उपजिलाधिकारी कार्यालय ने भी असमर्थता जाहिर की है।अब जबकि लखनऊ में इतना बड़ा अग्नि कांड हुआ है और 15 से ज्यादा बच्चो की मृत्यु हुई है ऐसे में अग्निशमन विभाग के लिए भी यह कार्यक्रम एक बड़ी चुनोती है। हालांकि अभी तक अग्निशमन से कोई परमिशन लिए जाने की जानकारी नही मिली है।

वही थाना स्तर पर ली गयी परमिशन को लेकर भी सवाल उठने वाजिब है। केवल थाना स्तर की परमिशन के बाद कानून व्यवस्था की स्तिथि बिगड़ती है तो जिम्मेदारी किसकी होगी ? यदि देखा जाए तो आयोजको द्वारा बताया जा रहा है कि टिकट 500, 1000, में स्टैंडिंग है और 2500 क टिकट फैमली के लिए बताये जा रहे है जिनमे सोफे उपलध कराये जाएंगे, टिकट की बिक्री की संख्या 2000 से 2500 व्यक्तियों की है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है।

कि आखिर इतनी बड़ी संख्या के लिए पुलिस बल, फायर की गाड़ियां, निगम की परमिशन, यहां तक कि जीएसटी विभाग में पंजीयन भी आवश्यक है। आयोजको का तर्क है कि यह एक एनजीओ है और इस पर कोई टैक्स नही लगता।

लेकिन या तो आयोजक अंधेरे में है या फिर उनको जानकारियों का अभाव है क्योंकि जीएसटी के बिना टिकट की बिक्री नही हो सकती, ओर जीएसटी अग्रिम जमा कराया जाता है, ऐसे में कई प्रश्न खड़े है कि कार्यक्रम बिना परमिशन संचालित होगा या फिर सभी परमिश्नो की पूर्ति की जाएगी। वैसे भी इतनी अधिक भीड़ यदि आती है तो फायर विभाग के लिए खुली चुनोती है क्योंकि दिल्ली रोड मेले का अग्निकांड, महाराज पैलेस में हुआ अग्नि कांड यहां तक कि कई अन्य अग्निकांड के कारण अब शासन भी सख्त है ऐसे में इस म्यूजिकल नाईट को लेकर अधिकारियों की ओर से स्पष्ट जानकारी प्राप्त नही हो रही है। वैसे भी जब टिकट की बिक्री बुक मय शॉप के माध्यम से हो रही है तो जीएसटी का प्रावधान तो अवश्य रहेगा, वही दूसरी ओर अगर केंसर पीड़ितों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है तो संस्था के उद्देश्य, कितने केंसर पीड़ितों का अब तक इलाज कराया गया है यहां तक कि यदि यह एनजीओ है तो सरकारी मद में कितना धन प्राप्त किया गया है इसकी जानकारी सार्वजनिक करनी भी आवश्यक है। फिलहाल केवल थाना स्तर की परमिशन की जानकारी प्राप्त हुई है अन्य परमिशन मिलेगी अथवा नही यह देखना होगा ?

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, 6 शातिर चोर गिरफ्तार , 4 चोरी की बाइक बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। थाना धौलाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए वाहन चोरी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।थाना अध्यक्ष अवनीश शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त एनसीआर क्षेत्र सहित विभिन्न जनपदों से मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेचकर आर्थिक लाभ अर्जित करते थे। पुलिस द्वारा गिरोह के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है, जिसके आधार पर अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा होने की संभावना है।

पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तराखंड वन विभाग द्वारा 'प्रकृति के प्रहरी' वनकर्मी सम्मान एवं पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। लोक भवन नैनीताल में उत्तराखण्ड वन विभाग द्वारा आयोजित 'प्रकृति के प्रहरी' वनकर्मी सम्मान एवं पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल ले.जन.गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि वन केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, पारिस्थितिक संतुलन और मानव सभ्यता के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति और मानव का अस्तित्व एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है तथा विकसित भारत और विकसित उत्तराखण्ड का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ेंगे। राज्यपाल ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वनकर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने सम्मानित वनकर्मियों को प्रकृति का सच्चा प्रहरी बताते हुए कहा कि भीषण वनाग्नि, प्राकृतिक आपदाओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में वनकर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना वनों और वन्यजीवों की रक्षा में जुटे रहते हैं।

उन्होंने कहा कि उनका समर्पण, साहस और सेवा भाव उत्तराखण्ड की हरित चेतना को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल ने 'राजाजी में पूर्णिमा की वह रात', कॉमन बर्ड्स ऑफ अल्मोड़ा एंड नैनीताल, फ्रॉम रुट्स टू रिचिज, तथा बिहाइव फेंसिंग पुस्तकों का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें प्रकृति, जैव-

विविधता, आजीविका संवर्धन तथा नवाचार के विविध आयामों को सामने लाती हैं। राज्यपाल ने कहा कि 'राजाजी में पूर्णिमा की वह रात' पुस्तक प्रकृति और वन्यजीवन के साथ मानवीय संवेदनाओं एवं आध्यात्मिक जुड़ाव को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है तथा पाठकों में प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता और आत्मीयता का भाव विकसित करेगी। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वनों को सदैव देवतुल्य माना गया है। हमारी सनातन परम्परा अरण्य संस्कृति की परम्परा रही है और वेदों-उपनिषदों की रचना भी वनांचलों में हुई। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों ने वृक्षों को जीवनदाता माना है तथा मत्स्य पुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के समान बताया गया है। यह प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करने वाला गहन जीवन-दर्शन है।

राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच उत्तराखण्ड की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य का लगभग 71 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है, जो इसकी समृद्ध प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है। उत्तराखण्ड के वन, ग्लेशियर और नदियाँ करोड़ों लोगों के जीवन का आधार हैं। उन्होंने चिपको आन्दोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि गौरा देवी और उनकी साथियों ने पूरी दुनिया को प्रकृति संरक्षण का प्रेरक संदेश दिया था, जो आज भी प्रासंगिक है। राज्यपाल ने कहा कि वनाग्नि और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीक, नवाचार और जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 'ईींं५ी त्रील्लूल्लॅ' जैसी वैज्ञानिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के साथ-साथ मधुमक्खी पालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने का भी प्रभावी माध्यम बन सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण को जन-आन्दोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है तथा नई पीढ़ी में प्रकृति, जल और वृक्षों के प्रति प्रेम एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करनी होगी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में निदेशक, कार्बेट टाइगर रिजर्व डॉ. साकेत बडोला ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर अपर प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. विवेक पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में वन एवं वन्यजीव संरक्षण विषयक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख वन संरक्षक (कुमाऊँ) डॉ. तेजस्विनी अरविन्द पाटिल, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, सम्मानित वनकर्मी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

आरएसएस के संस्थापक डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति समर्पित जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका त्याग, संघर्ष और राष्ट्रसेवा का भाव, भावी पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

28 से 30 जून तक चलेगा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान

पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पिलाई जाएंगी पोलियो की दो बूंदें

गोविन्द मेहता

बागेश्वर (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जनपद में 28 से 30 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा, जिसके तहत पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के सफल संचालन एवं व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी ने अभियान की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि जनपद में 18,349 लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने तैनात कार्मिकों तथा अभियान हेतु उपलब्ध संसाधनों एवं उपकरणों की जानकारी जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिलाधिकारी ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपलब्ध सामग्री एवं उपकरणों की पर्याप्तता के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य तभी सफल होगा जब 5 वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत सचिवों, ग्राम प्रधानों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंच सके। उन्होंने सूचना विभाग सहित संबंधित विभागों को भी जनजागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाएं तथा निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, एसीएमओ डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. दीपक कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रमोद जलपांगी, जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू लता यादव, मुख्य शिक्षा अधिकारी विनय कुमार आर्या सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहसपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के नए भवन का लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। जनपद के 'स्किल हब', सहसपुर में कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अंतर्गत विभिन्न नवनिर्मित परियोजनाओं का कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने लोकार्पण किया। उन्होंने 9.72 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के नए भवन का लोकार्पण किया, जहां अब फिलिप्स और शैनडियर इलेक्ट्रिक जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के सहयोग से हमारे युवाओं को आधुनिक इंडस्ट्री की मांग के अनुसार उच्च स्तरीय ट्रेनिंग मिलेगी। इसके साथ ही दूर-दराज से आने वाले प्रशिक्षणार्थियों की सुविधा के लिए 1.31 करोड़ से अधिक की लागत से तैयार 40-बैडेड छात्रावास भवन और बहुउद्देशीय हॉल भी युवाओं को समर्पित किया गया। बहुगुणा ने कहा कि हमारी सरकार 'विदेश रोजगार प्रकोष्ठ' के जरिए युवाओं को विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देकर जापान और सऊदी अरब जैसे देशों में रोजगार के बेहतरीन अवसर भी उपलब्ध करा रही है। इस अवसर पर सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर,

अडींग क्षेत्र में डकैती के बाद बिजली आपूर्ति बाधित, किसानों में आक्रोश, ट्रांसफार्मर जल्द लगवाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। चौकी अडींग क्षेत्र अंतर्गत 3 जून 2026 की रात एक बड़ी आपराधिक घटना सामने आई। यहां राधिका निकुंजधाम कॉलोनी में अज्ञात डकैतों ने धावा बोलकर चौकीदारों को बंधक बनाया और उनके साथ मारपीट की। इसके बाद कॉलोनी में लगे दो बिजली ट्रांसफार्मरों से तांबा और अन्य कीमती उपकरण लूट लिए गए। यह स्थान कल्याणम करोति अस्पताल के पास स्थित बताया गया है।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे आसपास के कई गांवों–जैसे जचौदा, जिखनगांव, नगला परमोदरिया, कंचनपुरा और हरीपुरा–में जनजीवन प्रभावित हुआ है। बिजली न आने से किसानों के ट्यूबवेल बंद पड़े हैं, जिससे धान की बुवाई कार्य पर गंभीर असर पड़ा है।

इस कारण ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और प्रदर्शन की आशंका जताई जा रही है। अडींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है।

उन्होंने कहा ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए हम जल्द ही उच्च अधिकारियों से बात करेंगे और समस्या का समाधान कराया जाएगा। ट्रांसफार्मर शीघ्र ही लगवाया जाएगा ताकि क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल हो सके।

प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि क्षेत्र में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल हो सके। इस मौके पर अड़ींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदोरिया सहित उप निरीक्षक विजय प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल मानवेंद्र, विजय सिंह, अमित, राम सुंदर, देवेंद्र व अन्य पुलिस फोर्स मोजूद रहा।

नैनीताल में सम्मानित हुए युवा समाजसेवी एवं मंच संचालक शुभम वालिया

नितिन शर्मा

बिजनौर (वेलकम इंडिया)। युवा समाजसेवी एवं कुशल मंच संचालक शुभम वालिया को नैनीताल में आयोजित एक सम्मान समारोह में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं एवं प्रभावशाली मंच संचालन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शुभम वालिया ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और समर्पण के बल पर मंच संचालन के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उनके प्रभावशाली संचालन की व्यापक सराहना होती रही है। उनके इसी उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त

करने पर शुभम वालिया ने सभी वरिष्ठजनों, आयोजकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज एवं राष्ट्रहित में और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। क्षेत्र के अनेक सामाजिक एवं शिक्षाविदों ने शुभम वालिया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी जनपद एवं क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे।

गिरिराज तलहटी को हरा-भरा बनाने का संकल्प, 25 जून से विशेष महाभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। श्रीगिरिराजजी की तलहटी को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से गीत संगीत सागर ट्रस्ट (मुंबई) द्वारा संचालित 'नमो वृक्षेभ्यः' वृक्षारोपण महोत्सव 2.0 का आयोजन 25 से 28 जून तक किया जाएगा। चार दिवसीय यह महोत्सव 'क्लीन तलहटी ग्रीन तलहटी मिशन' के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा जारी जानकारी के अनुसार महोत्सव का आयोजन पूज्यपाद गोस्वामी श्री प्रशांत कुमारजी महाराज (बृहन्मंदिर, मुंबई) की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गिरिराज तलहटी की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र का विस्तार तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ एवं सुंदर प्राकृतिक वातावरण का निर्माण करना है। महोत्सव के दौरान तलहटी क्षेत्र में सैकड़ों छायादार, फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया जाएगा। साथ ही वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के प्रति जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। आयोजकों का मानना है कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। महोत्सव का शुभारंभ 25 जून को सायं 5 बजे गोविंद कुंड, आन्यौर स्थित वन विभाग परिसर में होगा। कार्यक्रम में मथुरा-वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा समृद्धि ज्वैलर्स के लोकेश गर्ग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजन में ट्रस्ट के ट्रस्टी निलेश मोदी, सेझल झवेरी एवं चिंतन शाह का विशेष सहयोग रहेगा, जबकि संयोजक पंडित दाऊ दयाल शर्मा संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

जनसुनवाई में सुनी गईं आमजन की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

राजीव मोंगरा

सहारनपुर (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मंगलवार को जनपद के सभी थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना कार्यालयों में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना गया।

थाना प्रभारियों ने संबंधित मामलों में विधि सम्मत एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान भी कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों को निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

सहारनपुर पुलिस का कहना है कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान उसकी प्राथमिकता है।

जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है, ताकि नागरिकों को सहज, प्रभावी और उत्तरदायी पुलिसिंग का लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी के सख्त आदेश पर अवैध खनन माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, दो स्टोन क्रेशरों में करोड़ों के राजस्व घोटाले का खुलासा

भंडारण अनुज्ञप्ति तत्काल निलंबित-ओवरलोड परिवहन और अवैध उपखनिज भंडारण पर प्रशासन ने कसा शिकंजा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी के निर्देश पर अवैध खनन और उपखनिज भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में प्रशासन को बड़ी सफलता मिली है। खनिज विभाग और बेहट तहसील प्रशासन की संयुक्त जांच में दो स्टोन क्रेशरों पर गंभीर अनियमितताएं पकड़ी गई हैं।

जिसके बाद उनकी भंडारण अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी गई है। जांच के दौरान ग्राम शहजादपुर बांस स्थित महारानी एंटरप्राइजेज स्टोन क्रेशर में 2506 घनमीटर उपखनिज का अवैध भंडारण पाया गया। साथ ही सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की जांच में ओवरलोड वाहनों से उपखनिज निकासी और बीच-बीच में कैमरे बंद किए जाने के तथ्य भी सामने आए है।

इस अनियमितता से राज्य सरकार को लगभग 29 लाख रुपये से अधिक के राजस्व नुकसान का आकलन किया गया है। वहीं बाबा बंसी स्टोन क्रेशर में 707 घनमीटर उपखनिज का अवैध भंडारण पकड़ा गया। यहां भी ओवरलोड परिवहन और नियमों के उल्लंघन के प्रमाण मिले हैं, जिससे सरकार को करीब 11.78 लाख रुपये की राजस्व क्षति होने की बात सामने आई है।

कार्रवाई के बाद दोनों इकाइयों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी के नेतृत्व में गठित टास्क फोर्स अब अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है।

प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि अवैध खनन माफियाओं और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का नूरपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत

नितिन शर्मा

नूरपुर (वेलकम इंडिया)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी द्वारा गौ रक्षार्थ हेतु निकाली जा रही यात्रा का नूरपुर नगर मे पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

गौ रक्षा धाम चौकी के निकट हर सहाय गार्डन मे शंकराचार्य ने सम्बोधित करते हुए कहा कि गाय हमारी माता है। गाय मे सभी देवी देवताओ का वास है। वह गौ रक्षा के लिए पूरे प्रदेश मे गौ रक्षार्थ हेतु यह यात्रा निकाल रहे है।

इस मौके पर अर्जुन अहलावत उर्फ मोनू चौधरी, नूरपुर विधायक रामोतार सैनी, बिजनौर लोकसभा पूर्व प्रत्याशी दीपक सैनी, अंकित चौधरी, शुभम चौधरी, लक्की भुइयार, बिजेंद्र सिंह, सोहित चौधरी, मोहित कुमार, अरविंद अहलावत उर्फ सोनू, कार्तिक चौधरी आदी मौजूद रहे।

आगामी त्योहार मोहर्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाएं त्योहार : जिलाधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह की उपस्थिति में आगामी त्योहार मोहर्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी (शांति समिति) की बैठक आयोजित की गई । बैठक के दौरान जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी, थानों के प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षों के साथ-साथ डिजिटल वॉलंटियर्स, संभ्रांत नागरिक और विभिन्न क्षेत्रों से आए धर्मगुरु व पीस कमेटी के सदस्य मौजूद रहे । पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मोहर्रम के जुलूस और ताज़िया मार्गों का पहले से भौतिक सत्यापन कर लें। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए और रात्रि गश्त व चेकिंग को और सघन किया जाए । बैठक में चेतावनी दी गई कि त्योहार के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों के खिलाफ गुंडा एक्ट व अन्य निरोधात्मक कानूनी धाराओं के तहत तत्काल व कठोरतम कार्रवाई की जाएगी । जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस के मार्गों पर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल, लटकते हुए बिजली के तारों को दुरुस्त करने और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो । अधिकारियों ने उपस्थित धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि मोहर्रम का महीना आपसी सम्मान और शांति का संदेश देता है। सभी लोग परंपराओं का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस अथवा 'यूपी-112' को दें । इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर हृदय राम तिवारी, अरुण कुमार, सीओ प्रियम राज शेखर पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

घायल युवक की उपचार के दौरान मौत, चार नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव किवाना में मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक की बहन की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने गमगीन माहौल में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के गांव किवाना निवासी प्रदीप पुत्र काला विगत 20 जून को गंभीर रूप से घायल अवस्था में गांव के मंदिर के पास खून से लथपथ पड़ा मिला था। परिजनों को घायल की सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और घायल युवक को उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास ले गए। हालत नाजुक होने पर उसे बड़ौत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने मेरठ के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था।मृतक की बहन पिंकी पुत्री काला ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के सुनील पुत्र सतीश, दीपक पुत्र जगमेहर, रितिक पुत्र ब्रह्मपाल तथा गौतम पुत्र बिट्टू उसके भाई प्रदीप को अपने साथ काम पर लेकर गए थे। आरोप है कि उक्त लोगों ने ही उसके भाई के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मेरठ के अस्पताल में कई दिनों तक चले उपचार के दौरान प्रदीप ने मंगलवार की सुबह दम तोड़ दिया।युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।शव पीएम से आने के बाद परिजनों ने गमगीन माहौल मे दाह संस्कार कर दिया है परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। थाना पर बड़े निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भाजपा नेता नरेश सैनी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे सुरेश राणा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय नरेश सैनी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा नेता सुरेश राणा उनके आवास पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मिलकर गहरा दुख व्यक्त किया और इस कठिन समय में पार्टी की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया गौरतलब है कि भाजपा नेता नरेश सैनी का विगत16 जून को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। वह लंबे समय से भाजपा से जुड़े रहे और कस्बे व समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। भाजपा नेता सुरेश राणा ने कहा कि नरेश सैनी उनके परिवार के सदस्य की तरह थे। उन्होंने जीवनभर समाज और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया। उनका निधन भाजपा परिवार और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी को कभी पूरा नहीं किया जा सकता।श्रद्धांजलि सभा में नगर एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान तरुण अग्रवाल, पवन कंसल, गौरव चौधरी, संजीव आडवाणी, वरुण चौधरी, विक्रम सैनी, प्रदीप सैनी, बबलू सैनी, हर्ष सैनी, सुधा तोमर सहित अन्य लोगों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आगामी मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत थाना दुधारा पुलिस द्वारा रूट मार्च, ताजिया मार्गों का निरीक्षण एवं ड्रोन कैमरे से निगरानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आगामी मोहर्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से थाना महुली पुलिस द्वारा क्षेत्र में व्यापक रूट मार्च किया गया। थानाध्यक्ष दुधारा अमित कुशवाहा के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ प्रमुख बाजारों, कस्बों एवं ताजिया जुलूस मार्गों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया ।

रूट मार्च के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा का संदेश दिया गया तथा आमजन में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ किया गया। पुलिस की प्रभावी उपस्थिति से नागरिकों को यह संदेश दिया गया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा मोहर्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है ।

इस दौरान थाना दुधारा पुलिस ने क्षेत्र के समस्त ताजिया जुलूस मार्गों का गहन निरीक्षण किया। मार्गों पर पड़ने वाले विद्युत तारों, संवेदनशील स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, संकरे रास्तों एवं यातायात व्यवस्था का परीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। ताजियादारों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरे के माध्यम से हवाई निगरानी भी की गई। ड्रोन कैमरे द्वारा जुलूस मार्गों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं संवेदनशील बिंदुओं की निगरानी कर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का आकलन किया गया। इस तकनीकी निगरानी के माध्यम से किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अव्यवस्था अथवा सुरक्षा संबंधी चुनौती पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं। कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

धुसुरा में लगभग आधा दर्जन घरों में बांस के सहारे बिजली आपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के गांव धुसुरा में लगभग आधा दर्जन लोगों के घरों पर विद्युत पोल के अभाव में बांस के सहारे बिजली आपूर्ति किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। सेमरियावा ब्लाक के गांव धुसुरा में विद्युत उपकेन्द्र कुसहरा से बिजली की आपूर्ति की जाती है। महीनों बीत जाने के बाद भी ग्रामीण एजाज अहमद, अब्दुल मोइज, सिराजुद्दीन आदि लगभग आधा दर्जन घरों में विद्युत पोल के अभाव में बांस बल्ली के सहारे बिजली आपूर्ति की जा रही है जिससे उपभोक्ताओ को आये दिन विद्युत फाल्ट की समस्या से जूझना पड़ रहा है। जो कि बिजली उपभोक्ताओ की परेशानी का कारण बना हुआ है। सरकार की बिजली उपभोक्ताओ को बेहतर विद्युत आपूर्ति की मंशा पर विभागीय जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के कारण ग्रहण लगता दिख रहा है। ग्रामीण एजाज अहमद, अब्दुल मोइज, रेहाना खातून आदि ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय जिम्मेदारों को लिखित व मौखिक शिकायत की गई लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

आवारा कुत्तों का आतंक,दर्जनों घायल बंध्याकरण और नियंत्रण की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गली-मोहल्लों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर झुंड बनाकर घूम रहे आवारा कुत्ते राहगीरों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दर्जनभर से अधिक लोग उपचार कराने पहुंचे, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल रहे। पीड़ितों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा बंध्याकरण अभियान चलाने की मांग की है।मंगलवार को सरकारी अस्पताल पहुंचे आशु, जिंदा, मानसी, अजीत, आस मोहम्मद, इसराइल, फारूक, चरण सिंह, समीर, साद, अर्जुन, बुसरा, चंद्रकला, नूरजहां और चांदनी समेत अन्य लोगों ने बताया कि उन पर अलग-अलग स्थानों पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में कई लोग घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचना पड़ा। चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर आवश्यक दवाएं और एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। लोगों का कहना है कि नगर और आसपास के गांवों में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दिन हो या रात, कुत्तों के झुंड सड़कों और गलियों में घूमते दिखाई देते हैं। कई बार ये झुंड छोटे बच्चों, बुजुर्गों और अकेले गुजरने वाले लोगों को निशाना बना लेते हैं। इससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है और अभिभावक अपने बच्चों को अकेले घर से बाहर भेजने से भी कतरा रहे हैं।क्षेत्रवासियों का आरोप है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन और संबंधित विभाग इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में सैकड़ों महिला, पुरुष और बच्चे आवारा कुत्तों के हमले का शिकार हो चुके हैं। वहीं, कई लोगों की जान तक जा चुकी है, इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।पीड़ितों और क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनके बंध्याकरण और टीकाकरण की व्यवस्था की जाए।

धान की नर्सरी को रौद रहे नील गाय, किसान चिंतित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां क्षेत्र मे किसान नील गाय के झुंड से बेहद परेशान हैं यह नील गायों का झुंड धान की नर्सरी को रौदते हुए आसानी से दिख जाते हैं। जो कि किसानों की मुसीबत का सबब बना हुआ है।

जहां किसान बारिश नहीं होने से परेशान हैं वह किसी तरह धान की नर्सरी तैयार कर हर दो दिन पर पानी डाल रहे हैं। एक तरफ मौसम की मार झेल रहे किसानों की सबसे बड़ी परेशानी वर्तमान समय में नील गायों का आतंक है झुण्ड में चलते यह नील गाय धान की नर्सरी को रौद रहे हैं।

किसान मोमिन, इश्तियाक अहमद, नबी मुहम्मद, अजीज अहमद, अजहरूद्दीन, शमसुद्दीन, एडवोकेट मोहम्मद सलीम आदि ने प्रशासन से उत्पन्न समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

शिक्षा संकल्प रैली को सफल बनाने के लिए रालोद ने गांव-गांव किया जनसंपर्क

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की 28 जून को काबडौत में प्रस्तावित शिक्षा संकल्प रैली को सफल बनाने के लिए रालोद नेताओं ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीणों से बड़ी संख्या में रैली में पहुंचने की अपील की गई।जनसंपर्क अभियान के तहत गांव सुन्ना, मखमूलपुर, भनेड़ा, भभीसा, किवाना और हुरमंजपुर में नुक्कड़ सभाएं आयोजित की गईं। सभाओं को संबोधित करते हुए सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसान, मजदूर और आम जनता की आवाज उठाने वाली पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में किसानों और ग्रामीण समाज के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी तथा सभी वर्गों को साथ लेकर विकास की राजनीति की।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल आज भी चौधरी चरण सिंह की विचारधारा पर चलते हुए किसानों, युवाओं, मजदूरों और व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष कर रही है। शिक्षा संकल्प रैली प्रदेश के युवाओं और छात्रों के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाने का मंच बनेगी।उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर रैली के प्रति लोगों को जागरूक करने और अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।इस अवसर पर राजन जवाला मनोज मलिक, जगत सिंह मलिक, प्रमोद मलिक, आजाद मलिक, शिवकुमार मलिक, बिजेंद्र प्रधान, रूपेंद्र मलिक, सहित आदि लोग मौजूद रहे।

10 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ नशा तस्कर दबोचा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे ष्ऑपरेशन सवेरा द्द नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरष अभियान के तहत थाना सरसावा पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक देहात एवं क्षेत्राधिकारी नकुड़ के निकट पर्यवेक्षण में थाना सरसावा पुलिस ने यह कार्रवाई की। थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर 23 जून 2026 को बुड्ढाखेड़ा जाने वाले मार्ग पर स्थित एक ट्यूबवेल के पास से आरोपी प्रवीण उर्फ कालू पुत्र कदम सिंह निवासी मोहल्ला हरिजनान, कस्बा एवं थाना सरसावा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 10 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना सरसावा में आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक देवकरण शर्मा, कांस्टेबल सुमित कुमार तथा कांस्टेबल रंगेश कुमार शामिल रहे।

हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के उत्पीड़न पर रोक लगे, शराब जांच के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं : गुरप्रीत सिंह बग्गा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। 11 जून 2026 को उत्तराखंड में श्री हेमकुंड यतरंपर जा रहे निहंग सिक्खों पर स्थानीय निवासियों द्वारा हमला कर मारपीट करने के पश्चात उनके धर्म चिन्हों (पगड़ी, केश व कृपाण) की बेअदबी कोई जाने के विरोध में श्री गुरु सिंह सभा में सभी सिख संगठनों की साझी वार्ता में मांग हुई कि गिरफ्तार हुए बेकसूर सिखो को तत्काल रिहा किया जाए व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए इसको लेकर एक ज्ञापन प्रधानमंत्री, मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश, मुख्यमन्त्री उत्तराखण्ड, जिलाधिकारी कर्णप्रयाग, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग व जिलाधिकारी सहारनपुर को प्रेषित करते हुए कहा कि सिक्खों के पवित्र स्थान श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा करने जा रही संगतों ओर तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा की जाए तथा किसी प्रकार भी उनका रास्ते मे उत्पीड़न न हो, इसी को लेकर सिक्ख संगठनों ने जिलाधिकारी से वार्ता की, इस अवसर पर श्री गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष सुजसबीर सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार प्रभजोत सिंह, उपाध्यक्ष परमिंदर सिंह कोहली, जनरल सेक्रेटरी सरदार अमन प्रीत सिंह, सरदार हरेंद्र सिंह चड्ढा, सरदार छवप्रीत सिंह बत्रा, सरदार इंदरप्रीत सिंह चड्ढा, सरदार जसबीर सिंह बग्गा, सरदार तेजेन्द्र सिंह डंग, सरदार गुरप्रीत सिंह बग्गा, सरदार रंजीव सिंह हरजी, सरदार इंद्रजीत सिंह खालसा, सरदार प्रीत पाल सिंह जुनेजा, सरदार करन दीप सिंह, सरदार जसवन्त सिंह बत्रा, सरदार गुरविंदर सिंह कालड़ा, सरदार सतवेंद्र सिंह माकन, सरदार बलबीर सिंह धीर, सरदार हनीत सिंह, सरदार दलजीत सिंह बवेजा, सरदार महेंद्र पाल सिंह, सरदार गुरदयाल सिंह, सरदार इंद्रजीत सिंह, सरदार स्वर्ण जीत सिंह, सरदार हरमीत सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार चरण जीत सिंह, सरदार जगमोहन सिंह, सरदार तेजपाल सिंह, सरदार दीदार सिंह, सरदार परविंदर सिंह सोनी, सरदार परमजीत सिंह, सरदार बलबीर सिंह, सरदार महेंद्र जीत सिंह, रघुबीर सिंह उपस्तिथ रहे।

अवैध खनन परिवहन पर बेहट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रक किए जब्त

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद में अवैध खनन एवं उसके परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बेहट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ट्रकों को जब्त किया है। इनमें एक ट्रक बिना वैध प्रपत्र के खनन सामग्री का परिवहन कर रहा था, जबकि दो ट्रक ओवरलोड उपखनिज लेकर जाते हुए पकड़े गए। पुलिस के अनुसार, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स द्वारा अवैध खनन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह दीक्षित के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने तीन ट्रकों को पकड़ा। इनमें ट्रक बिना किसी वैध प्रपत्र के खनन सामग्री का परिवहन करता पाया गया। वहीं ओवरलोड उपखनिज लेकर जाते हुए पकड़े गए। तीनों वाहनों को जब्त कर थाना बेहट में दाखिल कराया गया है।

रवि चौधरी को सौंपा ज्ञापन, बोले- ई-पंजीकरण से छिनेगा रोजगार; ओपी राजभर से दखल की मांग

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 जुलाई 2026 से प्रस्तावित ई-पंजीकरण (डिजिटल रजिस्ट्री) व्यवस्था के विरोध में मंगलवार को मुरादाबाद के अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टांप विक्रेताओं एवं टाइपिस्टों व दी बार एसोसिएशन के महासचिव कपिल गुप्ता ने संयुक्त रूप से अपनी मांगों को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को प्रेषित किया।ये ज्ञापन मंत्री प्रतिनिधि एवं सुभासपा के मुरादाबाद जिलाध्यक्ष रवि चौधरी को सौंपा गया।

ज्ञापन में दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी, मुरादाबाद तथा दस्तावेज लेखक एसोसिएशन, मुरादाबाद के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा लागू की जा रही ई-पंजीकरण एवं डिजिटल स्टांपिंग व्यवस्था से अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टांप विक्रेताओं, टाइपिस्टों एवं मुंशियों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। साथ ही ग्रामीण एवं अशिक्षित नागरिकों को भी तकनीकी समस्याओं के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

ज्ञापन में कहा गया कि ऑनलाइन पोर्टल पर तकनीकी खामियों, इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्याओं तथा पुराने अभिलेखों के डिजिटलीकरण में आने वाली बाधाओं के कारण संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित 'निबंधक मित्र' व्यवस्था पर भी आपत्ति जताते हुए कहा गया कि इससे वर्षों से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से मांग की कि 1 जुलाई से लागू होने वाली ई-पंजीकरण व्यवस्था, डिजिटल स्टांपिंग प्रणाली, 12 माह तक के किरायानामा एवं पट्टा विलेखों की ऑनलाइन प्रक्रिया तथा निबंधक मित्रों की नियुक्ति संबंधी आदेशों पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही वर्तमान व्यवस्था को यथावत बनाए रखने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी ने अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन एवं मांगें कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के समक्ष प्रमुखता से रखी जाएंगी, ताकि संबंधित वर्ग की आजीविका और जनहित से जुड़े विषयों पर उचित निर्णय लिया जा सके।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन, दस्तावेज लेखक एसोसिएशन, स्टांप विक्रेता संघ सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी, मुरादाबाद के महासचिव कपिल गुप्ता, राजीव चौधरी, सचिन शर्मा, विश्वास गुम्बर, आवरण अग्रवाल, बाबू, राजू सैनी, उमेश यादव, सौरभ चतुर्वेदी एवं अजय पाल सिंह सहित अनेक अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक उपस्थित रहे। वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की ओर से जिलाध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी, जिला प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, महानगर प्रभारी अशोक सैनी, जिला उपाध्यक्ष डॉ. हनीफ, मोहित ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई।

लखनऊ अग्निकांड के मृतकों की आत्मा शांति हेतु प्रार्थना

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। लखनऊ स्थित कोचिंग सेंटर में लगी आग में असमय काल कवलित हुए शिक्षार्थियों की आत्मा की शांति हेतु स्याना में ईश्वर से प्रार्थना की गई।

स्थानीय गांधी मार्केट में की गई ईश प्रार्थना में व्यापारी सुरक्षा फोरम के तहसील अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय सहित समस्त पदाधिकारी व व्यापारियों ने मौजूद रहकर 2 मिनट का मौन रखा तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताईं।

संजय श्रोत्रिय ने कहा कि उक्त अग्निकांड में 15 बच्चों की दर्दनाक मौत हुई है, तथा लगभग 10 लोग गंभीर हालत में हॉस्पिटल में एडमिट हैं। घायलों के अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

रतनलाल अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, कपिल सिंघल सेठी, घनश्याम अग्रवाल, संदीप गोयल, रामशरण चौहान सहित अनेक व्यापारी मौजूद रहे।

मनीष हत्याकांड के आरोपी से पुलिस की मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मनीष सैनी हत्याकांड के आरोपी शिवम सैनी के साथ मंगलवार को पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं।

बता दें कि बीते रविवार की रात नगर के बालाजी मंदिर के समीप एक जगह पर शराब पार्टी के दौरान मनीष सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में थाना जहांगीराबाद में मु0अ0सं0- 329/26 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य आरोपी शिवम सैनी को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल जुगसाना खुर्द के जंगल में छिपा रखी है। मंगलवार की सुबह को पुलिस टीम आरोपी शिवम सैनी को लेकर पिस्टल बरामदगी के लिए जुगसाना खुर्द के जंगल पहुंची तो इसी दौरान आरोपी ने पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश की और जंगल में छिपाकर रखी अवैध पिस्टल निकालकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिसमें शिवम के पैर में गोली लग गई। पुलिस की जबाबी कार्रवाई में घायल बदमाश को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहाँ उसका उपचार किया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध पिस्टल, एक खोखा कारतूस और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस मुठभेड़ के दौरान प्रभारी निरीक्षक सुदेश कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक ऋषिपाल, उपनिरीक्षक सौरभ और कांस्टेबल रामपाल, अंकुर व दीपक टीम में शामिल रहे।

ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार पर माल चौराहे पर विशाल भंडारा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के अंतिम मंगलवार के पावन अवसर पर माल चौराहे पर भाजपा नेता मुकेश कुमार एवं सुंदरलाल के नेतृत्व में विशाल पूड़ी-सब्जी एवं शीतल लस्सी के भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुए भंडारे में बड़ी संख्या में राहगीरों, स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। स्वयंसेवकों ने पूरी श्रद्धा एवं सेवा भाव से लोगों को पूड़ी-सब्जी और लस्सी वितरित की। भीषण गर्मी के बीच शीतल लस्सी की व्यवस्था लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पूरे आयोजन स्थल पर धार्मिक वातावरण बना रहा और बजरंगबली के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा।

आयोजक मुकेश कुमार ने बताया कि ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी अवसर पर जनसेवा एवं धार्मिक आस्था के भाव से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं।

भंडारे में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, भाजपा कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और प्रसाद वितरण में सहयोग किया। आयोजन के सफल संचालन में स्थानीय युवाओं एवं स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगरायुक्त ने जन समस्याओं पर गंभीरता से लिया संज्ञान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान सफाई, लाइट व अतिक्रमण सम्बंधी आज करीब एक दर्जन समस्याएं आयी। नगरायुक्त ने समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए लाइट व सफाई की दो समस्याओं का समधान करा दिया और शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड 67 ग्रीन सिटी रहमानी चौक निवासी लियाकत ने चौक की खराब पड़ी लाईट को ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर विद्युत कर्मचारी को भेजकर लाइट ठीक करा दी गयी। इसके अतिरिक्त वार्ड 13 नानकपुरम् कॉलोनी निवासी प्रवीन कुमार व वार्ड 07 जाटव नगर बूढ़ी माई चौक निवासी विनय गौतम ने हाईमास्ट लाइट ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर विद्युत अवर अभियंता को निरीक्षण व कार्रवाई के लिए कहा गया। वार्ड 06 सागर

कॉलोनी बालपुर निवासी यशपाल ने कुछ लोगों द्वारा सड़क पर रास्ते में गोबर डालने की शिकायत की जिस पर पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी ने टीम भेजकर समस्या का समाधान करा दिया। इसके अलावा वार्ड 33 आशीर्वाद कॉलोनी निवासी प्रशांत कुमार ने खाली पडे.प्लाटों की सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। वार्ड 59 जाफरनवाज निवासी अब्दुल वाजिद ने सड़कों पर कूड़ा डालने की शिकायत तथा वार्ड 46 ब्रज विहार कॉलोनी की बोती देवी ने पडौसी द्वारा नाली बंद करने की शिकायत करते हुए उसे खुलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया जिस पर सम्बंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वार्ड 37 गिल कॉलोनी निवासी पुनीत गोयल ने गली नंबर 06 में अवैध रुप से वाहन खडे.करने की समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रार्थना पत्र दिया। जबकि वार्ड 46 के सुनील कुमार ने आवास विकास में मकान नंबर बी 60 के बाहर एक व्यक्ति द्वारा जिम का सामान रखकर अतिक्रमण करने की शिकायत की। जिस पर प्रवर्तन दल प्रभारी को कार्रवाई के लिए स्थलीय निरीक्षण करने के लिए कहा गया।

नगर में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, उल्लंघन करने वालों से वसूले 3500 रुपए

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। मंगलवार को पालिका ईओ नीतू सिंह के नेतृत्व में जहाँगीराबाद चुंगी से पैंठ चौराहा तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटवाया गया तथा मार्ग को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही की गई। पालिका टीम के साथ पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा। संयुक्त रूप से चलाए गए इस अभियान के दौरान सार्वजनिक मार्गों, नालियों एवं अन्य स्थानों पर किए गए अतिक्रमणों को हटाया गया तथा संबंधित लोगों को भविष्य में अतिक्रमण न करने के लिए चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले अतिक्रमणकारियों से 3,500 रुपए का जुमार्ना भी वसूल किया गया। ईओ दी चेतावनी पुनः फुटपाथ पर अतिक्रमण किया तो होगी सख्त कार्रवाई।

जनपद बुलंदशहर में कोचिंग संस्थानों पर सघन सुरक्षा जांच अभियान, प्रशासन रहा अलर्ट मोड पर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। लखनऊ में घटित दुखद घटना के दृष्टिगत जनपद बुलंदशहर में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समस्त कोचिंग संस्थानों में विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान कोचिंग सेंटरों में अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, भवन मानकों एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया गया।

यह संयुक्त अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक यातायात, अग्निशमन विभाग अधिकारीगण, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर तथा थाना कोतवाली देहात के नेतृत्व में संचालित किया गया।

निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों को सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा जिन स्थानों पर कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल सुधार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद पुलिस एवं प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे तथा सुरक्षा मानकों में लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खालकपुर की टंकी बनी सफेद हाथी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। अहार क्षेत्र के गांव खालकपुर में पानी की टंकी बने काफी दिन हो गये है लेकिन पानी की समस्या जस की तस है। पानी की टंकी तो बनकर तैयार हो गई है मगर अभी तक घरों में पानी के कनेक्शन नहीं हुए हैं। सारे गांव में पानी की पाइपलाइन भी नही बिछाई गई है कैसे हो पानी की सप्लाई घरों में। टंकी बनने से ग्रामीणों को साफ पानी मिलेगा की आस जगी थी लेकिन समस्या जस की तस है। पाइपलाइन बिछाने काम अभी अधूरा पडा है कैसे हो घरो में सप्लाई। ग्रामीण मनोज कुमार का कहना है कि गांव वाले सप्लाई का इंतजार कर रहे हैं। अभी तो पानी के लिए हैंडपंप का स्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन समस्या जस की तस है,,ढाक पर वो ही तीन पात। अगर शीघ्र समस्या का समाधान ना हुआ तो ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर समस्या के समाधान के लिए एक शिकायती पत्र देंगे।

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति के लिए उठाए जाएं कदम: महापौर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार, व पार्षदों ने आज लखनऊ के भीषण अग्निकाण्ड में मृत छात्र-छात्राओं को दो मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। ऐसी घटनाओं की फिर पुनरावृत्ति न हो इसके लिए मुख्यमंत्री से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गयी। महापौर कार्यालय में उपसभापति मयंक गर्ग द्वारा लखनऊ अग्निकाण्ड में मृत छात्र-छात्राओं की आत्मा की शांति के लिए एक संक्षिप्त श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महापौर एवं उपस्थित पार्षदों ने दो मिनट का मौन रखकर सभी छात्र-छात्राओं को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि लखनऊ में हुयी घटना बहुत दुखद एवं हृदय विदारक है। इस घटना से हर कोई दुखी और विचलित है। हम सभी घटना में मृत लोगों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। साथ ही मान्य मुख्यमंत्री जी से यह आग्रह करते है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए। श्रद्धांजलि देने वालों में उपसभापति व पार्षद मयंक गर्ग, दिग्विजय चौहान, मुकेश गक्खड़, मनोज प्रजापति, राजू सिंह, ज्योति अग्रवाल, राजेंद्र कोहली, सुभाष चंद, संजीव कर्णवाल, पार्षद प्रतिनिध अनिल शर्मा, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अमित गगनेजा व अजय शर्मा आदि शामिल रहे।

पत्रकार पर हमले के विरोध में एकजुट हुआ उपज, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

जनहित के मुद्दे उठाने वाले पत्रकार पर हमले से आक्रोश,दोषियों की गिरफ्तारी तक संघर्ष का ऐलान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। पत्रकार कुलदीप भारद्वाज के अपहरण, जानलेवा हमले, लूट और धमकी के मामले को लेकर मंगलवार को पत्रकार समाज एकजुट नजर आया। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पत्रकार थाना हस्तिनापुर पहुंचे और फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा अवैध खनन से जुड़े तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।उपज के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में विभिन्न पत्रकार संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। पत्रकारों ने थाना प्रभारी लाला राम शर्मा एवं नायब तहसीलदार सचिन चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि हस्तिनापुर निवासी पत्रकार कुलदीप भारद्वाज लंबे समय से जनहित के मुद्दों, विशेषकर अवैध खनन से जुड़े मामलों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। इसी कारण उन्हें निशाना बनाया गया।

8 जून की रात हुई थी वारदात, मुख्य आरोपी अब भी फरार

ज्ञापन में कहा गया कि 8 जून 2026 की रात कुलदीप भारद्वाज के साथ सुनियोजित आपराधिक घटना को अंजाम दिया गया। आरोपियों ने उनका अपहरण कर बंधक बनाया, मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी और नकदी भी लूट ली। मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद मुख्य आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं।

पीड़ित पत्रकार को बदनाम करने की भी साजिश का आरोप

पत्रकारों ने आरोप लगाया कि

आरोपी पक्ष द्वारा भ्रामक शिकायतें और दुष्प्रचार कर पीड़ित पत्रकार की सामाजिक एवं पेशेवर छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित पत्रकार और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

पत्रकारों की सुरक्षा से समझौता नहीं होगा : अजय चौधरी

उपज के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी ने कहा कि यदि जनहित के मुद्दे उठाने वाले पत्रकारों पर हमले होते रहे और दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला माना जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संगठन हर स्तर पर संघर्ष करेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा।

पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का दिया भरोसा

थाना प्रभारी लाला राम शर्मा ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि मामले में फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। वहीं नायब तहसीलदार सचिन चौधरी ने अवैध खनन से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई कराने का भरोसा दिलाया।कार्यक्रम में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री दीपक वर्मा, राजन सोनकर, ग्रामीण अंचलिये पत्रकार एसोसिएशन के रजनीश विश्वकर्मा, प्रवेश, अजय ठाकुर, उपज के मदनपाल गौतम, खालिद इकबाल, अनीश खान, फरमान खान, नीरज तोमर, राजदीप त्यागी, सलीम सैफी, आरिफ कुरैशी, रविश, सचिन कश्यप, रितेंद्र, संचित अरोड़ा, इसरार अंसारी, गौरव सैनी, शाहरुख चौधरी, रिजवान अहमद, आसिम सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

अग्निशमन व पुलिस टीम ने कोचिंग सेंटर का निरीक्षण कर लिया सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लखनऊ कोचिंग सेंटर में हुए हादसे के बाद मंगलवार को अग्निशमन व पुलिस टीम ने मोदीनगर के कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, बैंक्ट हाल, अस्पताल समेत तमाम जगहों पर निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मानक पूरे नहीं मिलने पर निवाड़ी रोड स्थित एस्पिरेंट लाइब्रेरी व दिल्ली मेरठ मार्ग पर स्थित एसआरएस कांप्लेक्स के मालिक को नोटिस जारी किया।

लखनऊ जैसी घटनाओं की फिर से कहीं पुनावृत्ति ना हो, इसको लेकर मंगलवार को मोदीनगर में पुलिस व अग्निश्मन विभाग की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने गुरुद्वारा रोड स्थित स्टार कोचिंग सेंटर व इंग्लिस स्पीकिंग सेंटर, निवाड़ी रोड स्थित एस्पिरेंट लाइब्रेरी, जशलोक अस्पताल, एसआरएस कांप्लेक्स व दुल्हन बैक्वेट हाल में निरीक्षण किया। एस्पिरेंट लाइब्रेरी में पुलिस पहुंची तो वहां हादसा होने पर निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं थी।

साथ ही नीचे बेसमेंट में बने जिम के पास ही खुले में बिजली के तार व बोर्ड थे। यहां मानकों को दरकिनार किया हुआ था। इसके अलावा पुलिस ने एसआरएस कांप्लेक्स की सभी दुकानों व कार्यालयों में निरीक्षण किया। यहां भी तमाम खामियां सामने आई। इस कांप्लेक्स के ऊपर एक कोचिंग सेंटर भी था, जो फिलहाल बंद चल रहा है। यहां यदि हादसा होता है तो राहत-बचाव को लेकर कोई सुविधा नहीं थी।

एसीपी मोदीनगर ने एसएचओ को कॉम्प्लेक्स की सभी दुकानों की जानकारी व अन्य बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए निर्देशित किया। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि एस्पिरेंट लाइब्रेरी व एसएआरएस कांप्लेक्स के मालिकों को नोटिस जारी किया गया है। यदि व्यवस्थाओं में सुधार नहीं लाया गया और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैनामे की ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में पिछले 11 दिन से चल रहा आंदोलन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बैनामे की ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में बैनामा लेखकों व वकीलों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 11 दिन से मोदीनगर तहसील में चल रहे आंदोलन में मंगलवार को वकीलों व बैनामा लेखकों ने तहसील परिसर में बर्तन बजाते हुए जुलूस निकालकर रोष जताया। एसडीएम कार्यालय के बाहर हंगामा करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसी सूरत में ई-पंजीकरण प्रणाली शुरू नहीं होने की चेतावनी दी। कहा मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। तहसील का कामकाज ठप रखा जाएगा।

दस्तावेज बैनामा लेखक संघ व बार एसोसिएशन मोदीनगर की तरफ से तहसील में बैनामे की ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में आंदोलन जारी है। पिछले 11 दिन से एक भी रजिस्ट्री मोदीनगर रजिस्ट्री कार्यालय से नहीं हुई। इससे सरकारी राजस्व को कहीं ना कहीं हानि पहुंच रही है। इसके अलावा वकीलों ने तहसील की सभी कोर्ट का बहिष्कार कर कामकाज को ठप किया हुआ है। सभी वाद में केवल तारीख दी जा रही हैं। ऐसे में वाद लंबित हो रहे हैं। वादीकारी परेशान हैं। तहसील परिसर में ही धरने पर वकील व बैनामा लेखक बैठे हुए हैं।

दुर्घटना के बाद एक्शन में ट्रैफिक पुलिस, एडीसीपी ने दादरी-पलवल चढ़ाव का किया निरीक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह ने थाना वेव सिटी क्षेत्र के दादरी-पलवल चढ़ाव पर हुई सड़क दुर्घटना के स्थल का निरीक्षण कर मौके पर तैनात कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी और स्थायी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के बाद एडीसीपी यातायात ने नोएडा सेक्टर-62 कट एवं कनावनी कट पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी भी जांची। इस दौरान उन्होंने यातायात को सुचारु एवं बाधारहित बनाए रखने, जाम की स्थिति पर नियंत्रण रखने तथा आमजन को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

यातायात पुलिस द्वारा संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी और नियमित निरीक्षण किए जाने से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में धरने को कांग्रेस का समर्थन, बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील मोदीनगर में बैनामा लेखकों द्वारा ई-पंजीकरण प्रणाली के विरोध में चलाए जा रहे धरने को मंगलवार को कांग्रेस पार्टी का समर्थन मिला। जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद व शहर कांग्रेस कमेटी के के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में धरना स्थल पहुंचे और आंदोलनकारियों की मांगों का समर्थन किया।

धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सतीश शर्मा, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजेश सेन व वरिष्ठ नेता पीसीसी सुनील शमार्ने कहा कि ई-पंजीकरण प्रणाली में मौजूद तकनीकी खामियों के कारण आम नागरिकों, किसानों, व्यापारियों और दस्तावेज लेखकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों पर जनता के साथ खड़ी रही है और प्रभावित लोगों की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करती रहेगी।

धरने में जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, जिला महामंत्री नंदकिशोर शर्मा, वीरेंद्र कुमार, अलीमुद्दीन कासर, रुपेश त्यागी, ताहिर तोमर, दिनेश कुमार, भोजपुर ब्लॉक अध्यक्ष भीष्म सिंह दुहन, मुरादनगर ब्लॉक अध्यक्ष नईम खान तथा सुरेश दोसा सहित, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, मंडल अध्यक्ष डॉक्टर फरमान, पूर्व प्रदेश महासचिव (युवा कांग्रेस) अभिनव शर्मा, वकील अहमद, सुरेश दोसा जी, चतरे जाटव, पुष्पेंद्र दहिया, भिखारी लाल कश्यप, फकीरचंद कश्यप, मुकुल शर्मा, आदेश त्यागी, समस खान, आदि के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदू रक्षा दल ने कावड़ मार्ग रास्ते में बने पीर को हटाए जाने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हिंदू रक्षा दल की टीम ने मेरठ डीएम कार्यालय पहुंच कर कावड़ मार्ग पर बने एक पीर को हटाए जाने की मांग की और ज्ञापन सौंपा। हिंदू रक्षा दल के पंकज कंसल नीरज शर्मा ने बताया कि मेरठ कावड़ मार्ग पर ग्राम सालेह नगर के पास एक पीर बना हुआ है, जो रास्ते के बीच में आ रहा है। जिसके लिए मंगलवार को हिंदू रक्षा दल की टीम मेरठ डीएम कार्यालय पहुंची और वहां पर अधिकारियों को इसके बारे में अवगत कराया और साल में होने वाली पीर से टकराकर होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में बताया। इस मौके पर वहां पर एल आई यू टीएम मौजूद रही हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारी ने कहा कि आगे कावड़ यात्रा चालू होने वाली है उससे पहले इसे वहां से हटाया जाना चाहिए इस मौके पर पंकज कंसल नीरज कुमार शर्मा सपना अग्रवाल रोहित सक्सेना नरेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन दहन' की बड़ी कार्रवाई: 18.88 करोड़ के नशीले पदार्थ आग के हवाले, तस्करों को कड़ा संदेश

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन दहन' के तहत 18 करोड़ 88 लाख 50 हजार 750 रुपये मूल्य के मादक पदार्थों का विधिवत नष्टीकरण किया। यह अभियान पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में चलाया गया। विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किए गए 2918.67 किलोग्राम गांजा, 18.805 किलोग्राम चरस, 30.4 किलोग्राम डोडा, 120 ग्राम एमडीएमए, 1.77 किलोग्राम नशीली गोलियां तथा 1.12 किलोग्राम हेरोइन को न्यायालय की अनुमति प्राप्त होने के बाद गठित समिति की देखरेख में सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए नष्ट किया गया। इन मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 18.88 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि

यह कार्रवाई नशा तस्करों के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार करने के साथ-साथ युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

खाद की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सीडीओ का हंटर, किसानों को निर्बाध आपूर्ति के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। खरीफ सीजन में किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और बिक्री प्रणाली की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं उर्वरक विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला कृषि अधिकारी, एआर कोऑपरेटिव, इफ्को एवं कृभको के उप महाप्रबंधक, पीसीएफ के जिला प्रबंधक, गन्ना समिति मोदीनगर के सचिव तथा जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी क्षेत्रों में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखी जाए और अनुदानित उर्वरकों की बिक्री शत-प्रतिशत पॉस मशीन के माध्यम से ही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जोत एवं फसलों की आवश्यकता के अनुरूप निर्धारित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे आधुनिक एवं संतुलित खेती को प्रोत्साहन मिल सके।

बैठक में साधन सहकारी समितियों एवं गन्ना समितियों पर किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। सहकारी समितियों पर प्रतिदिन होने वाली बिक्री की पोर्टल के माध्यम से नियमित निगरानी करने तथा सहकारी एवं निजी उर्वरक बिक्री केंद्रों का समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर स्टॉक का सत्यापन करने पर जोर दिया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता न करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

लखनऊ अग्निकांड: दिवंगत विद्यार्थियों को सुशील डेनियल ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील डेनियल ने लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद, पीड़ादायक और समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। सुशील डेनियल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जिन माता–पिता ने अपने होनहार बच्चों को खोया है, उनके दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति, धैर्य और संबल प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का असमय निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। ऐसे कठिन समय में समाज के सभी वर्गों को पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होकर उन्हें हरसंभव सहयोग और सांत्वना प्रदान करनी चाहिए। सुशील डेनियल ने पुन: दिवंगत विद्यार्थियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

भाकियू सर छोटू राम ने धरने को दिया समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम के द्वारा तहसील गाजियाबाद में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के समर्थन में अपनी बात रखते हुए समर्थन किया। भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम ने सभी जिलों में सभी तहसील स्तर पर चल रहे धरने को भी समर्थन किया। गाजियाबाद तहसील में समर्थन करने में राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव अजय पाल प्रमुख, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, जिला अध्यक्ष रणवीर प्रधान, राजनगर एक्सटेंशन अध्यक्ष राकेश चौधरी, संदीप चौधरी के साथ अन्य लोगों की उपस्थिति दर्ज रही।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सेंट्रल पार्क कौशांबी में लगे भारत माता की जय के जयकारे: वरुण शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ'ान पर कौशाम्बी में 2015 से लगातार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन समाजसेवी और युवा भाजपा नेता वरुण शर्मा, समाजसेवी डॉ आचार्य कृति शर्मा और सहयोगियों द्वारा किया जा रहा हैं। इस वर्ष 12वे संस्करण में भी सेंट्रल पार्क कौशाम्बी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत ताली ग्रुप के सूक्ष्म व्यायाम द्वारा की गई जिसमें पूरी कौशाम्बी से आए क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। उसके बाद सह-आयोजक मैक्स हॉस्पिटल वैशाली के डॉ, डॉ और डॉ ने उपस्थित बंधुओं को संबोधित किया और निरोगी रहने का तरीक और महत्व समझाया। उनके संबोधन के बाद वहां मौजूद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक मक्खन लाल शर्मा, सुधीश अग्रवाला और तपन कुमार भौमिक द्वारा भगवा शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात कौशाम्बी पार्क के योगाफाइड हेल्थ ग्रुप की शिक्षिका अनीता भूषण और अन्य सदस्यों द्वारा योग आसन कराए गए और फायदे गिनाए गए।

फिर कार्यक्रम में उपस्थित महानगर सह संघचालक संजय भसीन को KWA अध्यक्ष देव कुमार घटक और कौशाम्बी निवासी अमूल महेश्वरी द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उसके बाद कौशाम्बी के ही सर्वांग योगा समूह की शिक्षिका श्वेता सहाय और साथियों द्वारा श्वास क्रिया और योग आसनों का प्रदर्शन कर योग का महत्व बताया।

उसके पश्चात कौशाम्बी निवासी युवा योग साधक ऋषभ शर्मा द्वारा बेहद कठिन योग आसनों का प्रदर्शन किया जिसे उपस्थित जन समूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा और आशीर्वाद दिया। चौथे सत्र में कौशाम्बी निवासी योग शिक्षक देव राज शर्मा ने उपस्थित बंधुओं को संबोधित कर योग, प्राणायाम और श्वास क्रिया का पालन और नियमित अभ्यास की विधि सिखाई। कार्यक्रम का अंतिम सत्र रहा रैकी ग्रैंडमास्टर डॉ आचार्य कृति का जिन्होंने सबको ध्यान साधना में मेडिटेशन करवाई। उस अलौकिक अनुभव को उपस्थित सैंकड़ो लोगों ने बेहद सराहा।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य आयोजक वरुण शर्मा ने आकांशा सेठी मैक्स हॉस्पिटल वैशाली, योगा ग्रुप कौशाम्बी पार्क, सर्वांग योगा ग्रुप, योगाफाइड हेल्थ ग्रुप, ताली ग्रुप, श्रवण राय फिट एज जिम और डॉ आचार्या कृति शर्मा को भाग लेने के लिए और विशाल जनसमूह को इस कार्यक्रम को कौशाम्बी के इतिहास का अब तक का सबसे विशाल और सफल कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए बारंबार धन्यवाद किया. इस कार्यक्रम में सहआयोजक रहे मैक्स हॉस्पिटल वैशाली की और से प्रतिभागियों को टी शर्ट भेंट की गयी और फिट एज द्वारा प्रचार का काम संभाला गया।

इस कार्यक्रम में शिवम मित्तल, सुधीश अग्रवाल, श्रवण सिंह, मदन अग्रवाल, नरेश गोस्वामी, रश्मि बलूनी, सुशील सिंह चौहान, संगीता सिंह चौहान, राजवीर सिंह, कमलेश सिंह, राजेश शर्मा, संगीता शर्मा, प्रद्युमन कपूर, रितु कपूर, राजेश रस्तोगी, पपिया घटक, राजवीर सिंह, अमित सहाय, सरोज वर्मा, सुनीता, उमेश कुमार, सुनीता गुप्ता, डॉली, मंजू कपूर, नरेश कोली, नीरज, नीता, श्रीधर, उषा गुप्ता, अमिताभ सिन्हा, बीके मल्होत्रा, कृष्ण गोपाल, मुरलीधर, अरुण कुमार, उषा हरि, उर्मिल, जितेंद्र सिंह, डॉ किरण प्रसाद, बाला यादव, आरती, तृप्ता, रजनी, रश्मि, पूजा, सपना, स्नेह, मधु, दीपिका, मंजू, सीमा, अनीता, कंचन, सुमन, विभा, रितु, प्रेम गोगिया अनीता गोगिया, चंद्र प्रकाश गोगिया, सुरेश आहूजा, नागेंद्र विजय वर्गीय, किरण दुआ, रितु, सौम्या राय, नेहा सेल्ही, मेनका, पुष्पेंद्र, शिखा, मंजू, सुनयना, शैली गुप्ता, अंशु गुप्ता, अमन गुप्ता, जुगल अग्रवाल, अभय गुप्ता, सौरभ गुप्ता, दीपिका गोयल, पवन कुमारी, सांवर्मल गोयल, पूजा मेहरा, बिजेंद्र अग्रवाल, प्रीति गर्ग, रुचि गोयल, अथर्व, गोरी, राम रतन, राम, ध्रुव, बबली शर्मा, अनुषा श्रीवास्तव, सरोज, सीमा परमार, सुनीता, उत्कर्ष, पूनम वार्ष्णेय, प्रीति सहित विशाल संख्या में कौशांबी वासी उपस्थित रहे और आयोजक गण को सफल कार्यक्रम के लिए खूब आशीर्वाद दिया।

विश्व शांति अभियान के तहत शंख वादन कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (मोदी मंदिर) में शिवनाद महाशंख वादन विश्व शांति अभियान के तहत शंख वादन का कार्यक्रम हुआ। जिसमें साधकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

सुबह सात बजे कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिवलीन गुरुदेव मृत्युंजय हीरेमठ को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। 55 से अधिक साधकों ने सामूहिक शंखनाद कर विश्व शांति, सद्भाव, मानव कल्याण एवं सकारात्मक चेतना के प्रसार का संकल्प लिया। आयोजनकताओं ने बताया कि शिवनाद महाशंख वादन विश्व शांति अभियान का उद्देश्य मानवीय एकता, सांस्कृतिक जागरण और सनातन मूल्यों के प्रसार का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

विजय नगर जोन को मिली गंगाजल की सौगात

16.20 करोड़ की योजना से 7 लाख लोगों तक पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद नगर निगम ने विजय नगर जोन के लाखों निवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगलवार से गंगाजल आपूर्ति योजना का शुभारम्भ कर दिया। 15वें वित्त आयोग से प्राप्त 16.20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना के तहत प्रतिदिन लगभग 10 एमएलडी गंगाजल की आपूर्ति की जाएगी, जिससे करीब 6 से 7 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

लीलावती चौक स्थित पार्क में आयोजित कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल ने योजना का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सदर विधायक संजीव शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से स्वच्छ गंगाजल आपूर्ति की मांग थी, जिसे प्रदेश सरकार के सहयोग से अब पूरा किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि गंगाजल आपूर्ति शुरू होने से लोगों को शुद्ध पेयजल मिलेगा और जलजनित बीमारियों में कमी आएगी।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार योजना के अंतर्गत वार्ड संख्या-3 ओल्ड विजय नगर, वार्ड संख्या-4 सेक्टर-12 माता कॉलोनी, वार्ड संख्या-14 न्यू विजय नगर, वार्ड संख्या-15 चरण सिंह कॉलोनी, वार्ड संख्या-23 कैलाश नगर, वार्ड संख्या-25 आंबेडकर नगर, वार्ड संख्या-26 माधोपुरा-सुंदरपुरी, वार्ड संख्या-48 मिजार्पुर, वार्ड संख्या-51 प्रताप विहार सेक्टर-11, वार्ड संख्या-55 विजय नगर सेक्टर-11 ए-ब्लॉक तथा वार्ड संख्या-58 शिवपुरी क्षेत्र के निवासियों को गंगाजल आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि यह योजना विजय नगर और प्रताप विहार सहित आसपास के क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएगी। परियोजना के पूर्ण रूप से लागू होने के बाद चिन्हित वार्डों में स्वच्छ पेयजल की समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद है। नगर निगम का दावा है कि इस महत्वाकांक्षी योजना से क्षेत्रवासियों के जीवन स्तर में सुधार होगा तथा उन्हें बेहतर गुणवत्ता का पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराया जा सकेगा। विजय नगर जोन के लिए इसे एक बड़ी सौगात माना जा रहा है।

डीएम की चौखट पर बढ़ा जनता का भरोसा, जनसुनवाई में उमड़ रही फरियादियों की भीड़

त्वरित न्याय, सख्त कार्रवाई और जनहित के फैसलों से मजबूत हुआ प्रशासन पर विश्वास

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की जनहितैषी कार्यशैली और त्वरित निर्णय क्षमता के चलते कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित होने वाला जनता दर्शन कार्यक्रम आमजन के लिए उम्मीद का केंद्र बनता जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं के समाधान की आस लेकर जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं, जिससे शासन-प्रशासन के प्रति जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य समेत विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि अन्य प्रकरणों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना, पीड़ितों को न्याय दिलाना, जनपद का समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'राजस्व हानि और जनता का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है, किसी प्रकार का उत्पीड़न हो रहा है अथवा सरकारी या निजी भूमि पर अवैध कब्जे की समस्या है, तो वह जनसुनवाई में पहुंचकर सीधे अपनी बात रख सकता है। प्रशासन जनहित से जुड़े प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनसुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर जिलाधिकारी (नगर), सिटी मजिस्ट्रेट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गौर ग्रीन अग्निकांड के बाद जीडीए का शिकंजा, 206 भवनों में फायर सेफ्टी खामियां

56 पर सीलिंग की कार्रवाई शुरू

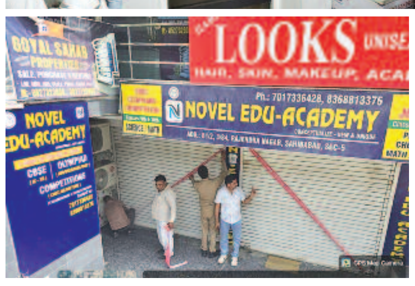

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू में हुए भीषण अग्निकांड के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलेभर में अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए विशेष अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत समूह आवासीय सोसायटियों, होटलों, बैंक्वेट हॉल, अस्पतालों, कोचिंग संस्थानों, रेस्टोरेंट और अन्य बहुमंजिला भवनों की सघन जांच की जा रही है।

प्राधिकरण की प्रवर्तन टीमों द्वारा किए गए निरीक्षण में अब तक 206 भवनों एवं प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों से जुड़ी खामियां पाई गई हैं। इनमें से 56 मामलों में सीलिंग सहित अन्य प्रवर्तनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित अथवा शुरू कर दी गई है। वहीं, शेष मामलों में संबंधित विभागों को सूचित कर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। जीडीए ने आरडब्ल्यूए वाले सभी समूह आवासीय परिसरों को पत्र जारी कर फायर अलार्म, हाइड्रेंट, स्प्रिंकलर सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग और अन्य अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा समय-समय पर निरीक्षण और चेतावनी जारी कर संभावित हादसों को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अग्निशमन विभाग को सशक्त बनाने के लिए प्राधिकरण ने लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई है। इस धनराशि से आधुनिक अग्निशमन उपकरणों और विशेष फायर फाइटिंग संसाधनों की खरीद की जा रही है, ताकि बहुमंजिला भवनों में आग की घटनाओं पर त्वरित और प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

जीडीए ने आमजन से अपील की है कि फायर ड्राइव-वे और आपातकालीन निकास मार्गों को अवरोधमुक्त रखें, अग्निशमन उपकरणों का नियमित रखरखाव कराएं, फायर एनओसी का समय पर नवीनीकरण कराएं तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित कर लोगों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक बनाएं।

अग्नि सुरक्षा पर प्रशासन का हंटर: 81 कोचिंग संस्थानों की जांच, 35 को नोटिस; 5 बैंक्वेट हॉल भी घेरे में

आरडीसी, गाजियाबाद

इंदिरापुरम

नंदग्राम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में अग्नि सुरक्षा मानकों को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, बैंक्वेट हॉल, होटलों और रेस्टोरेंटों में व्यापक जांच अभियान चलाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 81 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान 35 संस्थानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी खामियां मिलने पर नोटिस जारी किए गए, जबकि कुछ संस्थान बंद पाए गए।

निरीक्षण में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों की बारीकी से पड़ताल की गई। इंदिरापुरम क्षेत्र में सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना इंदिरापुरम पुलिस ने ग्रीन औरा, जलसा/संसारा, गोल्डन मोमेंट्स, व्हाइट रोज और सिल्वर स्पून बैंक्वेट हॉल का निरीक्षण किया।

अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कमियां पाए जाने पर सभी पांचों बैंक्वेट हॉल संचालकों को धारा 168 बीएनएसएस के तहत नोटिस जारी किए गए। अधिकारियों ने अग्निशामक यंत्रों को कार्यशील रखने, निकास मार्गों को अवरोधमुक्त बनाए रखने तथा आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वहीं, थाना सिहानी गेट क्षेत्र के अंबेडकर रोड और नेहरू नगर में सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम एवं अतिरिक्त निरीक्षक थाना सिहानी गेट ने कोचिंग संस्थानों, शैक्षिक परिसरों, होटलों और रेस्टोरेंटों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संचालकों को निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा।

जनसुनवाई में गूंजीं फरियादियों की आवाज, एडीशनल सीपी केशव चौधरी ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध श्री केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाया जाए। जनसुनवाई के माध्यम से पुलिस प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान और पुलिस-जन विश्वास को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

ई-साक्ष्य डैशबोर्ड से सशक्त होगी विवेचना, गाजियाबाद पुलिस को मिला हाईटेक प्रशिक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने ई-साक्ष्य मॉनिटरिंग डैशबोर्ड को लागू करते हुए विवेचना प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने की पहल की है। सोमवार को पुलिस लाइंस स्थित परमजीत हॉल में अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) के नेतृत्व में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्तों, विवेचकों तथा सीसीटीएनएस सेल के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

भारत सरकार द्वारा एक जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)-2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)-2023 में वैज्ञानिक एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के संकलन और संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इसी उद्देश्य से विकसित ई-साक्ष्य ऐप विवेचकों को घटनास्थल की वीडियोग्राफी, तलाशी व बरामदगी की रिकॉर्डिंग, गवाहों के बयान और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रूप से संकलित एवं संरक्षित करने की सुविधा प्रदान करता है।

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अब तक 2,292 विवेचकों का ई-साक्ष्य ऐप पर पंजीकरण किया जा चुका है, जबकि 34,921 इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य ऐप के माध्यम से सुरक्षित किए जा चुके हैं।

इन साक्ष्यों को टाइम स्टैम्प, जियो टैगिंग और प्रमाणन के साथ संरक्षित किया जाता है, जिससे साक्ष्यों की श्रृंखला मजबूत होती है और न्यायालय में उनकी स्वीकार्यता बढ़ती है। प्रशिक्षण कार्यशाला में अधिकारियों को ई-साक्ष्य मॉनिटरिंग डैशबोर्ड के विभिन्न आयामों, साक्ष्यों की गुणवत्ता के पर्यवेक्षण तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को थाना स्तर तक विस्तार दिया जाएगा, ताकि विवेचना प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और सुदृढ़ बनाया जा सके।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बुलडोजर एक्शन, 12 करोड़ की जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम खोदना खुर्द में करीब 6,000 वर्ग मीटर सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। प्राधिकरण के मुताबिक मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये है।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर भूलेख एवं परियोजना विभाग की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर अवैध कब्जों को हटाया और भूमि को अपने कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया गया। प्राधिकरण अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना अनुमति निर्माण करने अथवा अवैध कॉलोनियां विकसित करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से भूमि खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की जांच करने की अपील की गई है।